दैनिक
# लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-157 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, गुरूवार 2 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

## नायरा पेट्रोल पंपों ने पेट्रोल-डीजल के दाम घटाए

**भोपाल।** भोपाल सहित प्रदेश में स्थित नायरा पेट्रोल पंपों ने पेट्रोल के दाम 2 रुपए और डीजल के 3 रुपए प्रति लीटर कम कर दिए हैं। अब इन पेट्रोल पंपों पर भी सरकारी तेल कंपनियों के पेट्रोल पंप के समान दाम पर पेट्रोल व डीजल मिलेगा। दरअसल, नायरा पेट्रोल पंपों पर अब तक सरकारी तेल कंपनियों की तुलना में 2 और 3 रुपए महंगा पेट्रोल और डीजल बिक रहा था। नायरा मध्यप्रदेश पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राम सिंह ने बताया कि अब नायरा के सभी पेट्रोल पंपों पर संबंधित क्षेत्र के निकटतम सरकारी पेट्रोल पंप के बराबर ही.

**अब सरकारी तेल कंपनियों के बराबर दाम, कीमतों में अतिरिक्त कटौती नहीं**

### अंतर समाप्त कर दिया गया

उन्होंने बताया कि पहले नायरा के पंपों पर पेट्रोल लगभग 2 रूपये प्रति लीटर और डीजल करीब 3 रूपये प्रति लीटर तक महंगा बिक रहा था। अब यह अंतर पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। भोपाल शहर के एक नायरा पेट्रोल पंप पर बुधवार को पेट्रोल का रेट 114.62 रुपये प्रति लीटर और डीजल 99.42 रुपए प्रति लीटर रहा, जो संबंधित सरकारी पेट्रोल पंप के बराबर है। एसोसिएशन ने यह भी स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि नायरा ने पेट्रोल-डीजल के दाम कम कर दिए हैं।

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खाटू श्याम मंदिर तलून (बड़वानी) के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को किया वर्चुअली संबोधित

# म.प्र. आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से देश का अग्रणी राज्य : मुख्यमंत्री

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बड़वानी सहित निमाड़ की धरती संतों, संस्कृति और लोक परंपराओं से समृद्ध रही है। भारत की संत परंपरा ने सदैव समाज को सही दिशा दिखाई है, उनके मार्गदर्शन से समाज में सद्भाव, संयम और सेवा की भावना विकसित होती है। गरीबों, जरूरतमंदों और पीड़ितों की सेवा ही सच्ची भक्ति है, समाज तभी आगे बढ़ता है जब धर्म और सेवा साथ चलते हैं, यही भारतीय संस्कृति का मूल संदेश है। बड़वानी के समीप तलून में बनने वाला खाटू श्याम मंदिर इस गौरवशाली विरासत को मजबूत करेगा और आने वाली पीढ़ियां भी इस धरोहर से जुड़ेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तलून में खाटू श्याम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा और 21 कुंडीय महायज्ञ कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

### बाबा श्री खाटू श्याम ने धर्म की रक्षा और लोक कल्याण के लिए किया त्याग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का अवसर केवल मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास और सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का पर्व है। बाबा श्री खाटू श्याम की कृपा सभी भक्तों पर बनी रहे। बाबा खाटू श्याम को हारे का सहारा कहा जाता है, क्योंकि वे अपने भक्तों के दुःख हरने वाले देवता माने जाते हैं। बाबा खाटू श्याम को बर्बरीक का स्वरूप माना जाता है। महाभारत में उन्होंने धर्म की रक्षा और लोक कल्याण के लिए अपना शीश भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित कर दिया था। उनका यह अद्वितीय त्याग भारतीय संस्कृति में वीरता, विनम्रता और समर्पण का सर्वोच्च उदाहरण है। मां नर्मदा माँ की परिक्रमा के बाद महंत श्री शशि गिरि जी महाराज के मन में खाटू श्याम मंदिर बनाने का विचार आया और शहर के भक्तों के सहयोग से मंदिर का सपना साकार हुआ।

### जन आंदोलन बन कर 7 करोड़ परिवारों तक पहुंचा जल गंगा संवर्धन अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में पारंपरिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के मुख्य उद्देश्यों के साथ संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान ने सोशल मीडिया के माध्यम से प्रदेश के साथ देश और विदेश के लगभग 7 करोड़ परिवारों तक अपनी पहुंच बनाकर जनभागीदारी का एक नया इतिहास रच दिया है। आगामी मानसून में कम वर्षा की संभावना को देखते हुए पानी की प्रत्येक बूंद को सहेजने के दूरदर्शी उद्देश्य से शुरू हुआ यह महा अभियान 30 जून 2026 को भव्यता के साथ संपन्न हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दृढ़ संकल्प से यह अभियान महज एक सरकारी कार्यक्रम न रहकर एक विराट वैश्विक जन आंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है। इस महाअभियान को सोशल मीडिया और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिला। ट्विटर (एक्स), फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर सरकार के आधिकारिक माध्यमों द्वारा प्रतिदिन जागरूकता पोस्टर, लघु फिल्में और इन्फोग्राफिक्स साझा किए गए। जिससे कुल 6 करोड़ 95 लाख 74 हजार 820 से अधिक लोगों तक इस अभियान की डिजिटल पहुंच सुनिश्चित हो सकी और लोग जल स्त्रोतों को सहेजने की मुहिम से सीधे जुड़े।

# आरोपी अविनाश के घर मिला मंदिर का संदूक

### लिखा था- रामराज्य कोष, यूआर कोड भी चिपका था; एसआईटी को 15 दिन और मिले

**अयोध्या।** राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस ने बुधवार को आरोपी लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा के घर छापेमारी की है। दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है। इससे पहले जेल में बंद आरोपी अविनाश शुक्ला के अयोध्या स्थित योग केंद्र से पुलिस ने एक संदूक बरामद किया है। उस पर लाल रंग से रामराज्य कोष लिखा था। पेटीएम का यूआर कोड लगा था। 28 जून को हुई पुलिस की छापेमारी का वीडियो बुधवार सुबह सामने आया। इस बीच, राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें लखनऊ मेदांता में भर्ती कराया गया है। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राकेश कपूर ने बताया- महंत को 29 जून यानी सोमवार को लाया गया था। उन्हें सांस लेने में तकलीफ और यूरिन इन्फेक्शन था।

### 400 निजी सुरक्षाकर्मी भी जांच के घेरे में

राम मंदिर परिसर में तैनात 400 निजी सुरक्षाकर्मी भी जांच के घेरे में हैं। उनकी ड्यूटी, रोस्टर, सीसीटीवी एंट्री-एग्जिट रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। ट्रस्ट इस पर हर महीने 1 करोड़ खर्च करता था।

### कैबिनेट के निर्णय : दिल्ली को मिलेगी छह लेन की टनल, यूपी में बनेगा चार लेन का हाईवे

# 14,115 करोड़ रू. की परियोजनाएं मंजूर

**नई दिल्ली।** केंद्रीय कैबिनेट ने दिल्ली में छह लेन की द्वारका टनल के निर्माण को मंजूरी दी है। यह आठ किलोमीटर लंबी होगी और इस पर करीब 6,970 करोड़ रुपये की लागत आएगी। केंद्रीय कैबिनेट ने यूपी के कानपुर से कबराई के बीच एक चार लेन के राजमार्ग के निर्माण को भी मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज बुनियादी ढांचे को रफ्तार देने वाले बड़े कैबिनेट फैसलों का एलान किया है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को दिल्ली और उत्तर प्रदेश में परिवहन व्यवस्था को विश्वस्तरीय बनाने के लिए कुल 14,115 करोड़ रुपये की दो प्रमुख सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन फैसलों में दिल्ली के अंदर एक नई छह लेन की द्वारका टनल और उत्तर प्रदेश में कानपुर से कबरई तक चार लेन हाईवे का निर्माण शामिल है। यह कदम न सिर्फ ट्रैफिक जाम से निजात दिलाएगा, बल्कि देश के बुनियादी ढांचे में एक बड़ा रणनीतिक निवेश भी है।

### दिल्ली में वेस्ट से साउथ का सफर कैसे होगा आसान

देश की राजधानी दिल्ली में ट्रैफिक की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने NH-148AE पर छह लेन के टनल के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। यह अहम प्रोजेक्ट द्वारका एक्सप्रेस-वे (NH-248 BB) पर मौजूद शिवमूर्ति इंटरचेंज को वसंत कुंज स्थित नेल्सन मंडेला मार्ग से सीधा जोड़ेगा। इस नई कनेक्टिविटी के स्थापित होने से पश्चिमी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली के बीच आवाजाही काफी तेज हो जाएगी,इंजीनियरिंग और पर्यावरण के लिहाज से इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि कुल लंबाई में से 3.1 किलोमीटर का हिस्सा सदर्न रिज फॉरेस्ट के नीचे से होकर गुजरेगा। यह एक ग्रीनफील्ड अलाइनमेंट है.

### उत्तर प्रदेश के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर क्या बड़ा फैसला हुआ है?

दिल्ली के साथ-साथ यूपी के लिए भी इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने कानपुर से कबरई तक एक नया चार लेन के एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी को मजबूत करने वाली इस बड़ी हाईवे परियोजना पर कुल 7,145 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश में कानपुर से कबराई तक 242 किलोमीटर लंबे चार लेन के एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर कुल 7,145 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

### गोरखपुर में सनसनी

## मुख्यमंत्री योगी और गोरखनाथ मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

गोरखपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में सोमवार देर रात उस समय पुलिस महकमे और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया, जब पुलिस उपमहानिरीक्षक गोरखपुर के सरकारी मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर गोरखनाथ मंदिर और प्रदेश के मुख्यमंत्री को बम से उड़ाने की आत्मघाती धमकी दे डाली। वीवीआईपी सुरक्षा से जुड़े इस संवेदनशील मामले की सूचना मिलते ही गोरखपुर पुलिस तुरंत एक्शन मोड में आ गई और सर्विलांस की मदद से धमकी देने वाले की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर इंस्पेक्टर नीरज राय के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उस मोबाइल नंबर की लोकेशन ट्रेस की, जिससे धमकी भरा फोन आया था। मोबाइल की लोकेशन कुशीनगर जिले के पटहेरवा थाना क्षेत्र में मिली।

### मानसिक रूप से अस्वस्थ और नशे का आदी निकला किशोर

पकड़े गए किशोर से जब पुलिस अधिकारियों ने कड़ाई से पूछताछ की, तो मामले में एक चौंकाने वाला मोड़ सामने आया। जांच और पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि धमकी भरा फोन करने वाला किशोर मानसिक रूप से पूरी तरह अस्वस्थ है।

### पुणे हत्याकांड

## केतन को एक बार में खत्म कर देना चाहती थी सिया

**पुणे।** पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल हत्याकांड में पुलिस की जांच में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। इस मामले में अब एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। जांच में पुणे ग्रामीण पुलिस को पता चला कि आरोपी सिया गोयल और चेतन चौधरी ने 18 जून को लोहगढ़ किले की एक चट्टान से अग्रवाल को धक्का देने से पहले मार्केट यार्ड के पास एक पहाड़ी पर धक्का देने का पूर्वाभ्यास किया था। पुणे ग्रामीण पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सिया गोयल और चेतन ने केतन को लोहगढ़ किले से नीचे धकेलने से पहले पुणे के लुल्लानगर स्थित सेक्टर-37 में दो बार धक्का देकर मारने का पूर्वाभ्यास किया था।

## ट्रक से टकराते ही धधकी श्रद्धालुओं से भरी हंस ट्रैवल्स की बस, छह जिंदा जले, आठ की मौत

दौसा, एजेंसी

राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। ऋषिकेश से इंदौर जा रही एक स्लीपर बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस और ट्रक दोनों में आग लग गई। हादसे में अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 21 लोग घायल हुए हैं। दौसा एसपी पीयूष दीक्षित ने बताया कि हादसा कोलवा थाना क्षेत्र के तनावड़ स्थित जीरो पॉइंट पर रात करीब 2:30 बजे हुआ। मृतकों में छह लोगों की मौत आग में झुलसने से हुई, जबकि दो लोगों ने सिर में गंभीर चोट लगने के कारण दम तोड़ दिया। घायलों का इलाज दौसा जिला अस्पताल में चल रहा है। बस में तेजी से फैली आग पुलिस के अनुसार हादसे के बाद बस में आग तेजी से फैल गई, जिससे अंदर फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में काफी परेशानी हुई। प्रत्यदर्शियों के मुताबिक बस करीब एक घंटे तक जलती रही और इसी दौरान स्थानीय लोगों ने आग और धुएं के बीच फंसे यात्रियों को बाहर निकालने की कोशिश की। हादसे में कई बच्चे भी घायल हुए हैं। जिला अस्पताल में भर्ती घायलों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक महिला अपने घायल बच्चे के इलाज के लिए डॉक्टरों से गुहार लगाती नजर आई।

### बस में सिगरेट के पैकेट होने का दावा

स्थानीय लोगों ने यह भी दावा किया है कि बस के स्टोरेज बॉक्स में सिगरेट के पैकेट भरे हुए थे। उनका मानना है कि इसी वजह से आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। हालांकि पुलिस ने अभी इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच जारी है।

### अब तक 9 घायलों की पहचान

एसपी पीयूष दीक्षित ने बताया कि अब तक घायलों में से केवल 9 लोगों की पहचान हो सकी है। अन्य यात्रियों की पहचान और उनके परिजनों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है।

### बदलाव — कंपनी ने लॉन्च किया प्राइवेसी फीचर, लोग अपना यूजरनेम रिजर्व कर सकते हैं

# अब बिना मोबाइल नंबर बताए होगा वॉट्सएप चैट

नई दिल्ली (एजेंसी)

वॉट्सएप जल्द अपने करोड़ों यूजर्स के लिए एक बड़ा बदलाव लेकर आने वाला है। अब किसी नए शख्स से बात करने के लिए आपको अपना मोबाइल नंबर देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जैसे टेलीग्राम पर यूजरनेम के जरिए कनेक्ट हो कर बातचीत कर सकते हैं, ठीक वैसे ही अब वॉट्सएप में आ रहा है।

कंपनी ने आधिकारिक तौर पर नए यूजरनेम फीचर का ऐलान कर दिया है। इस फीचर की मदद से लोग अपने फोन नंबर की जगह वॉट्सएप यूजरनेम शेयर करके चैट शुरू कर सकेंगे। कंपनी ने बताया है कि इस हफ्ते से यूजर्स अपने पसंद का यूजरनेम रिजर्व कर सकेंगे।

### वॉट्सएप का यूजरनेम फीचर क्या है?

अब तक वॉट्सएप पर किसी से बात करने के लिए उसका मोबाइल नंबर होना जरूरी था। लेकिन नए फीचर के आने के बाद अगर आपने यूजरनेम बना लिया है, तो पहली बार आपसे संपर्क करने वाले शख्स को आपका मोबाइल नंबर नहीं दिखेगा। इससे आपकी प्राइवेसी पहले से ज्यादा मजबूत होगी। वॉट्सएप का कहना है कि आज कई लोग किसी इवेंट, क्लास, ऑफिस, सोसायटी या ग्रुप में जुड़ना चाहते हैं, लेकिन अपना निजी मोबाइल नंबर हर किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहते। इसी जरूरत को देखते हुए कंपनी यह फीचर लेकर आई है। अब लोग अपना यूजरनेम देकर बातचीत शुरू कर सकेंगे।

### किसे होगा इसका फायदा

यह फीचर खास तौर पर कंटेंट क्रिएटर, इंफ्लूएंसर, छोटे कारोबार और संस्थाओं के लिए भी काफी काम का होगा। अगर उनके पास पहले से इंस्टाग्राम या फेसबुक पर कोई यूजरनेम है, तो वे उसी यूजरनेम को वॉट्सएप पर भी क्लेम कर सकेंगे। इससे सभी मेटा प्लेटफॉर्म पर उनकी एक जैसी पहचान बनी रहेगी। वॉट्सएप ने कहा है कि यह कोई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नहीं बनने जा रहा है। यहां यूजरनेम खोजने के लिए कोई पब्लिक डायरेक्ट्री नहीं होगी और न ही लोगों के यूजरनेम सर्च करके देखे जा सकेंगे। किसी व्यक्ति से संपर्क करने के लिए उसका सही यूजरनेम पता होना जरूरी होगा। कंपनी ने सिक्योरिटी को ध्यान में रखते हुए एक नया यूजरनेम Ke y सिस्टम भी बनाया है। अगर कोई यूजर चाहे तो वह यह एक्स्ट्रा सिक्योरिटी ऑप्शन चालू कर सकता है।

### विजयवर्गीय बोले

## ढाई साल में सिर्फ असहयोग और उपेक्षा मिली

इंदौर। मध्य प्रदेश के सीनियर मिनिस्टर कैलाश विजयवर्गीय की सरकार से नाराजगी एक बार फिर सामने आई है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग संभाल रहे विजयवर्गीय ने इस बार सीधे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को चिट्ठी लिखी है। विजयवर्गीय ने लिखा है कि पिछले ढाई साल से उन्हें असहयोग, उपेक्षा और विरोध का सामना करना पड़ रहा है। यदि इंदौर के विकास से जुड़े मुद्दों का समाधान नहीं हुआ तो जनता की आवाज को सार्वजनिक मंच पर उठाना उनकी मजबूरी होगी। विजयवर्गीय ने पत्र में मास्टर प्लान में देरी, इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन के नाम को लेकर आपत्ति, एयरपोर्ट विस्तार के लिए जमीन, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विभाजन, पीथमपुर में सुविधाओं की कमी और सिंहस्थ के कामों में इंदौर की अनदेखी जैसे मुद्दे उठाए हैं।जिनमें इंदौर के मास्टर प्लान और मेट्रोपॉलिटन अथॉरिटी का नाम इंदौर केंद्रित रखने की मांग की गई थी।

### भीषण सड़क हादसा

## आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बस और कार की टक्कर, पांच की मौत

उन्नाव, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक बड़ा हादसा हुआ है। बुधवार सुबह करीब पांच बजे एक तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर कार से टकरा गई। टक्कर के बाद बस डिवाइडर की ग्रिल तोड़ते हुए खंती में पलट गई, जिससे पांच लोगों की जान चली गई। यह दुर्घटना बांगरमऊ कोतवाली इलाके के 230.800 माइल स्टोन के पास हुई। संतकबीरनगर के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली कार में कुल 8 लोग सवार थे। इनमें से 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दिव्या (13), अमृता (5), अंजू (40), धुनमुन (60) और कार चालक विनोद (45) शामिल हैं। कार में सवार तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें बांगरमऊ सीएचसी से लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। बस में कुल 85 यात्री सवार थे। बस के पलटने से 17 से अधिक यात्री भी चोटिल हो गए।

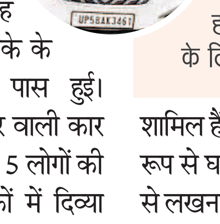


### हादसे का विवरण

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर देवखरी गांव के पास यह हादसा हुआ। तेज रफ्तार स्लीपर बस ने पहले कार को टक्कर मारी। इसके बाद बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर की ग्रिल तोड़ते हुए खंती में जा गिरी। बस खंती में पलटने से उसमें सवार यात्री भी चोटिल हो गए। पुलिस ने घटनास्थल से क्षतिग्रस्त कार को हटवाया। सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी पहुंचाया गया।

## संक्षिप्त समाचार

### दिव्यांग सहायता शिविर के लिए लगाई गई कर्मचारियों की ड्यूटी

सतना। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जिले में दिव्यांगजनों के लिए 1 जुलाई से 3 जुलाई तक विशेष जयपुर फुट शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में दिव्यांगजनों को नए कृत्रिम अंग, कैलीपर्स, मोटराइज्ड ट्रायसाइकिल की मरम्मत, श्रवण यंत्र सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन के उप संचालक राजीव सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार शिविर के सफल संचालन हेतु कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। इनमें फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. अमर सिंह चंदेल, हियरिंग असिस्टेंट शिवानी शुक्ला, इयर मोल्ड टेक्नीशियन निधि मिश्रा, मोबिलिटी इंस्ट्रक्टर राजेन्द्र सोनी, ट्रांस-डिसिप्लिनरी स्पेशल एजुकेटर राजू चन्द्रवंशी, मल्टीपरपज रिहैबिलिटेशन वर्कर मोहित सिंह, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर रामप्रताप चौधरी, लिपिक सुमित कुमार खरे के नाम शामिल हैं। सभी संबंधित कर्मचारियों को शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहकर सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं।

### दिव्यांगजनों के लिए दिव्यांग सहायता शिविर 3 जुलाई तक

सतना। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग सतना द्वारा दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। सांसद श्री गणेश सिंह की उपस्थिति में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से आयोजित शिविर में सतना एवं मैहर जिले के दिव्यांगजन सम्मिलित होंगे। दिव्यांगजनों के लिए दिव्यांग सहायता शिविर 1 जुलाई से 3 जुलाई तक कम्युनिटी हाल बिरला मार्केट सतना में आयोजित किया जाएगा। शिविर में दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को नि:शुल्क कृत्रिम हाथ एवं पैर की जांच, मरम्मत एवं समायोजना, नए कृत्रिम हाथ एवं पैर उपलब्ध कराना, मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल की जांच, मरम्मत एवं आवश्यक तकनीकी सुधार, श्रवण यंत्रों की जांच, सर्विसिंग एवं मरम्मत, बैसाखी एवं वाकर सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरण उपलब्ध कराना तथा शिविर के लिए 21 व्हीलचेयर नि:शुल्क उपलब्ध कराई जायेगी। शिविर में नगर निगम सतना सहित सोहावल, उचेहरा, नागौद, रामपुर बघेलान, मझगवां, जनपद पंचायतों तथा कोठी, कोटर, चित्रकूट, जैतवारा, बिरसिंहपुर सहित विभिन्न नगरीय निकायों के हितग्राही शामिल होंगे।

### रोटरी का रक्तदान शिविर आज

सतना। अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब सतना द्वारा आज से नए सत्र 2026-27 के शुभारंभ अवसर पर 1 जुलाई दिन बुधवार को बृहद रक्तदान शिविर का आयोजन जिला अस्पताल सतना में किया जा रहा है पब्लिक इमेज चेयरमैन हरिओम गुप्ता ने बताया कि सुबह 9 से जिला अस्पताल में रोटेरियन,रोट्रेक्ट,इनर व्हील,इनर व्हील उद्गम के सदस्यों द्वारा काफी संख्या में रक्तदान किया जाएगा।

### जो एकाग्रचित होकर विद्या अध्ययन करते हैं वही होते हैं सफल

# आध्यात्मिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शिविर का समापन

नगर संवाददाता, सतना।

जेल अधीक्षक श्रीमती लीना कोष्टा के मार्गदर्शन में केन्द्रीय जेल सतना व अखिल विश्व गायत्री परिवार सतना के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित आध्यात्मिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शिविर के जून माह सत्र का समापन हुआ। यह सत्र 27जून से 30जून तक आयोजित किया गया। आध्यात्मिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिवस में देव पूजन, ऊंकार उच्चारण, महामंत्रों का जाप, गायत्री चालीसा का पाठ व गीत-संगीत का सामूहिक गायन किया गया।

गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा अवगत कराया गया कि शिक्षक विद्यालय में उपस्थित सभी छात्रों को शिक्षा समानरूप से देता है, पर सफल वही छात्र होते है जो एकाग्रचित होकर विद्या अध्ययन करते है। इसलिए हम जिस कार्य में लगे पूरी सत्यनिष्ठा और लगन से समर्पित होकर करें। द्वेष, लालच, अहंकार,क्रोध का त्याग करें क्योंकि पाँच मिनिट के क्रोध से हमारा पूरे दिन का समय नष्ट हो जाता है और अनेक बुराईयों के शिकार हो जाते है। इसलिए समय का सदुपयोग करें।

जेल स्टॉफ से सहायक जेल अधीक्षक अनिल प्रताप सिंह द्वारा गायत्री परिवार के सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर जेल उपअधीक्षक श्रीकांत त्रिपाठी, सहायक जेल अधीक्षक अभिमन्यु पाण्डेय, सहायक जेल अधीक्षक फिरोजा सिंह, अष्टकोंण अधिकारी अनिल प्रताप सिंह एवं गायत्री परिवार सतना से राजेश तिवारी (जिला समन्वयक), रवीन्द्र कुमार शुक्ला, हरिओम पाण्डेय, श्रीमती सावित्री वर्मा व बंदीगण उपस्थित रहे।

# जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 141 आवेदकों की समस्यायें

नगर संवाददाता, सतना।

मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सतना जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 141 आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने भूमि विवाद, राजस्व रिकॉर्ड सुधार, सिंचाई, बिजली, पानी, सड़क निर्माण, पेंशन, छात्रवृत्ति, आवास योजना तथा अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत की। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर विकास सिंह द्वारा भी आवेदकों की समस्याएं सुनी गई।

# जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन

### उत्कृष्ट कार्य करने वालों का हुआ सम्मान

नगर संवाददाता, सतना।

जनपद पंचायत सोहावल की ग्राम पंचायत बेलहटा में मंगलवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत की उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह परिहार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बेलहटा के सरपंच अशोक सतनामी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह एवं जनपद पंचायत सोहावल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतिपाल बागरी सहित जनपद पंचायत का अमला, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। समारोह के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले जल दूतों, स्व-सहायता समूह (एसएचजी) की सदस्यों, स्वयंसेवी संगठनों तथा विभिन्न हितग्राहियों को सम्मानित कर उनके कार्यों की सराहना की गई। वक्ताओं ने जल संरक्षण एवं जल स्रोतों के संवर्धन को जनभागीदारी से जोड़ने पर बल देते हुए कहा कि ऐसे अभियान जल सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण भी किया गया।

# सेवानिवृत्त होने पर व्याख्याताओं को दी गई भावभीनी विदाई

नगर संवाददाता, सतना।

शा.उमावि. कन्या धवारी के ददानी प्रसाद शर्मा, वरिष्ठ व्याख्याता व शत्रुघ्न प्रसाद पाण्डेय, व्याख्याता 30जून 2026 को अधिवार्षिकीय आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो गये है, जिनका विद्यालय परिसर में विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य श्रीमती अंशू मिश्रा, आलोक त्रिपाठी, मंजू द्विवेदी, अंजू त्रिपाठी, मनोज कुमार शर्मा,मृगेन्द्र सिंह, ,बृजेश विश्वकर्मा,वंदना निगम, विनोद सेन नें अपनें विचार रखे एवं समस्त स्टाफ सेवानिवृत्ति व्याख्याता द्वय भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम का सफल संचालन जनकलली तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

# मोतीलाल साकेत को सेवा निवृत्ति पर दी गई विदाई

नगर संवाददाता, सतना।

कार्यालय उप संचालक सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण सतना के सहायक ग्रेड-2 मोतीलाल साकेत मंगलवार को 35 वर्ष 8 माह 14 दिन की सेवा पूर्ण करने के बाद सेवा निवृत्त हुए। सेवा निवृत्ति के अवसर पर प्रभारी उप संचालक सामाजिक न्याय राजीव सिंह सहित कार्यालय परिवार ने मोतीलाल साकेत को सेवानिवृत्ति पर सुदीर्घ जीवन के लिए शुभकामनायें देते हुए भावभीनी विदाई दी।

इस मौके पर समग्र अधिकारी अनिल कुमार त्रिपाठी, उमाशंकर गौतम, सत्यदेव नापित, संतलाल कुशवाहा, प्रशांत प्रजापति सहित उप संचालक सामाजिक न्याय कार्यालय के समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

# चार दशकों की सेवा के बाद शिक्षक अशोक कुमार हुए सेवानिवृत

नगर संवाददाता, सतना।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पटेहरा संकुल में सहायक शिक्षक के पद पर कार्य कर रहे अशोक द्विवेदी जी 30 जून 2026 को अपनी 42 साल की सेवा पूर्ण करके के उपरांत सेवानिवृत्ति हुए द्य इस अवसर पर आपने बताया कि यह मेरे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण और गौरवशाली दिन है क्योंकि शिक्षक अपनी निष्ठा मेहनत और समर्पण से विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करने के साथ साथ उन्हें अच्छे संस्कार और जीवन के सही मूल्य भी सिखाता है

मैं अपने इस पूरे कार्यकाल में कई विद्यालयों मैं अपनी सेवाएं दी सभी जगह मुझे शिक्षक साथियों का अच्छा सहयोग और लगाव रहा इसके लिए मैंअपने विद्यालय परिवार को धन्यवाद देता हूं।

श्री द्विवेदी ने अपने पूरे सेवा काल में ईमानदारी अनुशासन और कर्तव्य निष्ठा का जो उदाहरण प्रस्तुत किया है वह समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है।

आपके द्वारा अर्जित सम्मान प्रेम और आशीर्वाद ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी है सेवानिवृत्ति के इस अवसर पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जवा विद्यालय के प्राचार्य शिक्षक गण समाज और परिवार के सभी लोगो ने अशोक द्विवेदी जी को सेवानिवृत्ति के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं स्वस्थ सुखी और दीर्घायु जीवन की मंगलकामनाएं प्रेषित की।

# मारवाड़ी महिला मंडल ने मनाया स्थापना दिवस

नगर संवाददाता, सतना।

मारवाड़ी महिला मंडल ने हर्ष उल्लास के साथ मंगलवार को व्यंकटेश लोक में स्थापना दिवस समारोह बड़े ही उत्साह से अयोजित किया।

### 'महिलाओं को एकजुट कर संगठन कर रहा व्यक्तित्व विकास

संस्था अध्यक्ष इंदु अग्रवाल ने अपने संबोधन में बताया कि हमारा मंडल केवल सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों तक ही सीमित नहीं है बल्कि महिलाओं को एकजुट करके उनके व्यक्तित्व विकास, सांस्कृतिक और सामाजिक सेवा की भावना को भी निरंतर प्रोत्साहित कर रहा है। कार्यक्रम में अध्यक्ष इंदु अग्रवाल, उपाध्यक्ष लता केजरीवाल, सचिव राखी सफड़िया, सहसचिव सुनीता बंसल, कोषाध्यक्ष सरिता गर्ग, मधु रामरायका, रेखा अग्रवाल आदि ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और बहुत सारे गेम खेलें। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद एवं स्नेहभोज के साथ किया गया।

# लायंस लंगर में खिचड़ी प्रसाद का वितरण

नगर संवाददाता, सतना।

लायंस क्लब सतना हेल्पिंग हैंड्स सतना द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को अनवरत जारी लायंस लंगर सेवा में मंगलवार को श्री हनुमान जी मंदिर सी एम एच ओ आफिस के सामने धवारी सतना में खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व रीजन

चेयरपर्सन लायन आलोक त्रिपाठी ज़ोन चेयरपर्सन लायन धर्मेंद्र सेन, लायन जितेन्द्र गर्ग,कमल कांत पाण्डेय, राजेश श्रीवास्तव, उमेश शर्मा,मिथलेश पाण्डेय,मनीष जायसवाल, सुकीर्त त्रिपाठी, सूर्य कमल त्रिपाठी, विनय कमल त्रिपाठी मंदिर के पुजारी पं.जगन्नाथ महराज जी एवं साथी उपस्थित रहे।

# स्कूल जाने वाले बच्चों पर आफत, प्रेम नगर की टूटी सड़क सुधारने की मांग

नगर संवाददाता, सतना।

प्रेम नगर की मुख्य सड़क अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। मध्य भारत मोर्चा के जिला अध्यक्ष जसविंदर सिंह भाटिया बब्बल' ने सड़क की जर्जर हालत पर गहरी चिंता जताते हुए नगर निगम से तत्काल निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है। श्री भाटिया ने बताया कि अंडर ब्रिज से एम.पी.ई.बी. कार्यालय तक जाने वाली यह आम सड़क पूरी तरह टूट चुकी है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिनमें बरसात का पानी भर जाने से पैदल चलना भी दुश्वार हो गया है।

### कलेक्टर ने किया अवलोकन, प्रयास को सराहा

# 'ज्ञान भारतम' एप में मैहर की 90 से अधिक पाण्डुलिपियों का संरक्षण

### सदियों पुरानी हस्तलिखित पाण्डुलिपियों का भी समावेश

नगर संवाददाता, सतना।

भारत सरकार के 'ज्ञान भारतम' एप के माध्यम से जिला मैहर में प्राचीन पाण्डुलिपियों के संरक्षण का कार्य जारी है। मैहर कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी के निर्देशन में इस महत्वपूर्ण पहल को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में बद्री प्रसाद पाण्डेय एवं अरुण कुमार पयासी ने

कलेक्टर मैहर को एप में अपलोड की गई पाण्डुलिपियों का अवलोकन कराया तथा उनके संरक्षण के लिए आवश्यक मार्गदर्शन देने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि एप के सॉफ्टवेयर में 15 जून से मैहर जिले को शामिल किए जाने के बाद अब तक 90 से अधिक प्राचीन पाण्डुलिपियां अपलोड की जा चुकी हैं। यह कार्य ट्रस्ट, व्यक्तिगत संग्राहकों, मठ-मंदिरों एवं शासकीय कर्मचारियों के सहयोग से जनजागरूकता एवं सांस्कृतिक संरक्षण के उद्देश्य से किया जा रहा है। ज्ञान भारतम एप में केवल वे पाण्डुलिपियां अपलोड की जा रही हैं जो 75 वर्ष से अधिक पुरानी हैं। इनमें सैकड़ों वर्ष पूर्व लिखी गई हस्तलिखित पाण्डुलिपियों का भी समावेश है, जिनका अवलोकन कर उनकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।

#### इनका किया गया संग्रह

मैहर जिले में अपलोड की गई प्रमुख पाण्डुलिपियों में सोनभद्र का महात्म (बृहद ब्रह्म पुराण अंश), महिदेव रत्नमाला, गंगाष्टक (हस्तलिपि संवत 1902), दशा चिंतामणि (हस्तलिपि संवत 1906), बाल्मीकि रामायण उत्तर काण्ड (बघेली), अथ प्रश्न जाति पूर्वक काल ज्ञान, तांबेइत्युप नामक गोपालस्य, श्रीमद भागवत महापुराण हस्तलिपि, अथ जातका भरणम, वाल्मीकि रामायण हस्तलिपि एवं महाभारत वन पर्व शामिल हैं।

# इनर व्हील क्लब ऑफ सतना उद्गम ने आयोजित किया सत्र समापन समारोह

नगर संवाददाता, सतना।

इनर व्हील क्लब ऑफ सतना उद्गम का समापन समारोह मंगलवार को क्लब भवन में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्लब की वर्षभर की सामाजिक, सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की उपलब्धियों को सभी सदस्यों के साथ साझा किया गया। समारोह के दौरान क्लब द्वारा एक जरूरतमंद महिला को मिक्सर भेंट कर सेवा कार्य की परंपरा को आगे बढ़ाया गया। उपस्थित सदस्यों ने क्लब द्वारा पूरे वर्ष किए गए कार्यों की सराहना करते हुए आगामी सत्र के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष जूही गौरव अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनामिका अग्रवाल, सचिव प्रियंका मिश्रा, कोषाध्यक्ष एकता अग्रवाल, संपादक अंजली पांडे, आईएसओ पूर्णिमा गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष अनुभा, चार्टर सदस्य शिखा अग्रवाल सहित क्लब सदस्य अनामिका सोनी, प्रियंका, नीति, शिवानी, नीतू, खुशबू, ट्विंकल, सपना, शुभांगी, मुनमुन, कीर्ति, सुनीता, पूजा व जया आदि सदस्य उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का समापन आपसी सौहार्द, सेवा भावना एवं समाजहित के संकल्प के साथ हुआ।

## संक्षिप्त समाचार

### स्वतंत्रता सेनानी ओंकार नाथ खरे की जन्म शताब्दी पर विचार संगोष्ठी आज

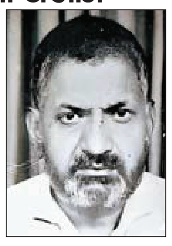

रीवा। विंध्य क्षेत्र के प्रख्यात ताम्रपत्रधारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय ओंकार नाथ खरे के जन्म शताब्दी वर्ष सन 2025-26 अंतर्गत बुधवार 1 जुलाई 2026 को उनकी जयंती के पावन अवसर पर नारी चेतना मंच, समता सम्पर्क अभियान, विंध्यांचल जन आंदोलन एवं समाजवादी कार्यकर्ता समूह के संयुक्त तत्वावधान में एक विचार संगोष्ठी स्थानीय स्वयंवर विवाह घर नरेंद्र नगर में अपराह्न 3 बजे से आयोजित है।। शुभचिंतकों से कार्यक्रम में भागीदारी की अपेक्षा की गई है।

### जन चौपाल में आईजी राजपूत ने लोगों की सुनी समस्याएं, दिया भरोसा

रीवा। ग्राम सुनौरा थाना विश्वविद्यालय में आयोजित जनचौपाल कार्यक्रम आईजीपी गौरव राजपूत, सीएसपी एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। आईजीपी श्री राजपूत लोगों से रूबरू होकर उनकी समस्याओं को सुना तथा त्वरित निराकरण करने का प्रयास किया। अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों को उनके विभाग प्रेषण करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस को अपने बीच में पाकर ग्रामवासियों में अत्यन्त उत्साह एवं विश्वास का माहौल देखा गया। लोगों ने इस जनसौपाल की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

### सेवानिवृत्त राकेश तिवारी को दी गई विदाई

रीवा। अनु. जाति, जनजातीय कार्य विभाग रीवा में पदस्थ राकेश तिवारी कनिष्ठ लेखाधिकारी के सेवानिवृत्त होने पर सम्मान के साथ विदाई दी गई, उन्हें साल-श्रीफल के साथ सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विभाग के जिला संयोजक डॉ, केके पाण्डेय, जिला संयोजक मऊगंज एन.के. सिंह मरकाम एवं डॉ. प्रभाकर तिवाठी प्राचार्य कन्या शिक्षा परिसर के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। श्री तिवारी के चिदाई समारोह में आ-जा. क. विभाग के रीवा एवं मऊगंज के समस्त अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

### सत्र 2026-27 में भी अतिथि विद्वानों क़ी सेवा रहेगी जारी

रीवा। रिक्त पदों क़े विरुद्ध सेवा करने वाले अतिथि विद्वानों को सत्र 2026-27 में भी सेवा जारी रखने का आदेश उच्च शिक्षा विभाग भोपाल ने जारी किया है।जिसके अनुसार मंत्रालय द्वारा आदेश क्रमांक एफ 1/1/201/2023/38-1 भोपाल दिनांक 05/10/2023 में अंकित कण्डिका क्रमांक 3.2 क़े अंतर्गत सभी प्राचार्य एवं अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा को कार्यवाही करनी है।जिसके तहत आगामी 15 जुलाई 2026 तक संपूर्ण ज्वाइनिंग क़ी जानकारी आयुक्त कार्यालय भोपाल समस्त प्रचार्यों को भेजना है।जैसा क़ी विदित हो क़ी इस बार एक जुलाई से ही कक्षाओं का संचालन क़ी करने क़ी तैयारी विभाग कर रहा है और इसकी कड़ाई से पालन भी किया जाएगा।

# सुरताल महोत्सव में ग्रुप डांस विजेता को मिली 6.5 फीट ऊंची ट्रॉफी

**■ पुरस्कार वितरण के साथ चार दिवसीय आयोजन का हुआ समापन**

रीवा, नगर संवाददाता।

कला और संस्कृति के अनूठे संगम 34वें सुरताल महोत्सव का चार दिवसीय आयोजन पुरस्कार वितरण के साथ संपन्न हो गया। सेलिब्रिटी नाइट के मुख्य आकर्षण के बाद विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और उपविजेताओं को पुरस्कृत किया गया। महोत्सव के दौरान बघेली गायन, कराओके, मॉडलिंग, बेस्ट सिंगर और बेस्ट डांसर जैसी कड़ी प्रतियोगिताओं में अपना हुनर दिखाने वाले कलाकारों को मंच पर पुरस्कृत किया गया, जिसमें ग्रुप डांस के विजेताओं को 6.50 फीट ऊंची ट्रॉफी से नवाजा गया। स्थानीय कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में मुकेश एंड मुकेश आर्केष्ट्रा द्वारा आयोजित चार दिवसीय आयोजन के समापन अवसर पर कलाकारों का उत्साहवर्द्धन जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी. राजेंद्र शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय के पूर्व संचालक डॉ. सीबी शुक्ला, अस्पताल अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा, समाजसेवी मास्टर बुद्धसेन पटेल, जुगुल किशोर कनौडिया, देवेंद्र दुबे, पवन शुक्ला, पवन तिवारी, कुलदीप मिश्रा, शुभांशु पयासी, मनोज दुबे, मनोज पंडित आदि ने उपस्थित होकर किया।

### बेस्ट डांसर अवार्ड में ये रहे विजेता

बेस्ट डांसर अवार्ड के तहत ग्रुप डांस के विजेता का खिताब डांस जोन ने हासिल किया, जबकि डिसेंट डांस ग्रुप उपविजेता बना। किड्स ग्रुप से स्वेच्छा गुप्ता विजेता और वर्तिका गुप्ता उपविजेता, सीनियर मेल में आदित्य शर्मा विजेता और अंकुश विश्वकर्ता उपविजेता, सीनियर फीमेल में नंदिनी अग्निहोत्री विजेता और स्वाती महात्मन उपविजेता, जूनियर मेल में आरव जैन विजेता और अविनेश शुक्ला उपविजेता, जूनियर फीमेल में समृद्धि गुप्ता विजेता ओर सांभवी त्रिपाठी उपविजेता और युगल डांस में निशी-शिवी की जोड़ी विजेता और अराधिका- आराध्या की जोड़ी उपविजेता घोषित हुई। मॉडलिंग में तनु सोनी ने विजेता का खिताब हासिल किया।

### गायन में इन्होंने मारी बाजी

बघेली गायन में जूनियर ग्रुप से माही तिवारी विजेता और भूमिका अविनाश सिंह उपविजेता, सीनियर ग्रुप से प्रतिभा मिश्रा विजेता और रेशमा मिश्रा उपविजेता, समूह गायन में राज संगीत घराना विजेता बना। कराओके प्रतियोगिता में जूनियर मेल से शरद द्विवेदी विजेता और विश्व प्रताप सिंह उपविजेता, जूनियर फीमेल से माही तिवारी विजेता और राजप्रिया शर्मा उपविजेता, सीनियर मेल से चितवन सुखवानी विजेता और डॉ. विजय तिवारी उपविजेता, सीनियर फीमेल से निधि विश्वकर्मा विजेता और स्वरांजलि मिश्रा उपविजेता रहे। बेस्ट सिंगर अवार्ड के जूनियर मेल में अथर्व श्रीवास्तव विजेता और अथर्व मिश्रा उपविजेता, जूनियर फीमेल से माही तिवारी विजेता और नव्या बाजपेयी उपविजेता, सीनियर फीमेल से कोमल तिवारी विजेता और नेहा मोगरे उपविजेता, सीनियर मेल से अमित पिड़िहा विजेता और अवनीश त्रिपाठी उपविजेता बने।

# सार्वजनिक स्थलों में गंदगी फैलाने वालों पर लगा 8 हजार का जुर्माना

रीवा, नगर संवाददाता।

नगर निगम रीवा की स्वच्छता टीम द्वारा शहर में सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। इसी क्रम में वार्ड क्रमांक 07 अटल मार्केट में विशेष स्वच्छता अभियान चलाते हुए स्पॉट फाइन की कार्रवाई की गई।

टीम द्वारा अटल मार्केट एवं सिरमौर चौक के आस पास भ्रमण कर निरीक्षण किया गया। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने, नालियों में अपशिष्ट डालने तथा सड़क किनारे गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल रूपये 8000 की स्पॉट फाइन राशि वसूल की गई। निगम द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे शहर की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें, दुकानों में समुचित रूप से डस्टबिन का प्रयोग करें एवं सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाएँ। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान स्वच्छता निरीक्षक आकाश वर्मा, मिथलेश मिश्रा, महादेव राठौर एवं आईईसी टीम लीडर अवनीश शुक्ला अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

# जन चौपाल में पुलिस ने ग्रामीणों से किया संवाद

रीवा, नगर संवाददाता।

आपकी पुलिस आपके द्वार अभियान के अंतर्गत सोमवार को मनगवा थाना क्षेत्र के कुइयां कला गांव में जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसडीओपी प्रतिभा शर्मा तथा थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पेंद्र मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया। एसडीओपी प्रतिभा शर्मा एवं थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पेंद्र मिश्रा ने ग्रामीणों को कानून संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए नागरिक सुरक्षा, अपराध नियंत्रण तथा सामाजिक सहभागिता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने लोगों से पुलिस का सहयोग करने, संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना देने तथा समाज में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। जन चौपाल में बढ़ते साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन ठगी से सुरक्षा, नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा एवं अन्य सामाजिक विषयों पर भी जागरूकता दी गई। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद एवं विश्वास से अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। उन्होंने कहा कि पुलिस आपकी है, इसलिए आपकी समस्याओं के समाधान के लिए आपके द्वार आई है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, वरिष्ठ नागरिक, समाजसेवी संगठन, जनप्रतिनिधि एवं महिलाओं ने भाग लिया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे पुलिस और जनता के बीच विश्वास बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

# पेंशनरों ने दिया धरना, निकाली रैली

रीवा, नगर संवाददाता।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसियेशन म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार प्रदेश के 5.30 लाख पेंशनरों ने अपनी न्यायोचित 6 सूत्रीय मांगो को लेकर 30 जून को आंदोलन के दूसरे चरण में मध्यप्रदेश के 55 जिलो के जिला मुख्यालयों में एक दिवसीय धरना देकर रैली निकाली गई। रीवा जिले में भी पेंशनर जिले के कोने-कोने से आकर संघ कार्यालय कोठी कम्पाउण्ड रीवा में धरना दिया तथा सभा भी की, सभा को अनेक पेंशनर प्रतिनिधि नें सम्बोधित किया। तत्पश्चात् 03.30 बजे सभी पेंशनर 2-2 की कतार में रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय नारा लगाते हुए पहुंचे तथा कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौपा गया। एसोसियेशन के जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ उप प्रान्ताध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि पेंशनरों की मांगे काफी समय से लंबित है, जिसके लिए पूर्व वर्षो में कई बार एसोसियेशन द्वारा शासन का ध्यान आकृष्ट किया गया। किन्तु मांगे ज्यो की त्यों है, जिस वजह से पूरे प्रदेश भर 5.30 पेंशनर्स शासन की इस बेरूखी से दुखी एवं गुस्से में हैं। यदि शासन द्वारा मांगों पर शीघ्र निराकरण नहीं किया जाता तो 22 जुलाई को प्रदेश भर के कोने-कोने से पेंशनर्स भोपाल में जाकर अपनी आवाज बुलन्द करेंगे।

### इन मांगों पर रहा फोकस

मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गये ज्ञापन में जिन मांगों को रखा गया उनमें धारा 49 को समाप्त किया जाय, कैशलेस बीमा योजना निःशुल्क किया जाय, पेंशनर्स को महंगाई राहत केन्द्र सरकार के पेंशनरों के साथ दिया जाय, 08-10 महीने देरी से देने की प्रथा समाप्त की जाय, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का एवं अन्य न्यायालयों द्वारा दिये गये निर्देशों पालन हो, 32 माह एवं 27 माह का एरियर एवं करोनाकाल का एरियर दिया जाय। कर्मचारियों की तरह पेंशनर्स को भी एक्सग्रेसिया दिया जाय।

# हेल्थ व वेलनेस एम्बेसडर शिक्षकों का 3 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम के तहत हेल्थ एवं वेलनेस एम्बेसडर शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 27 से 29 जून को किया गया। दो बैच में 70 प्रतिभागी सम्मिलित होकर प्रशिक्षण प्राप्त किये। शिक्षा विभाग के मास्टर ट्रेनर डॉ ब्रह्मश्री तिवारी,श्रीमती मधु सिंह ,श्रीमती अलका सिंह एवं श्रीमती योगिता मिश्रा ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्रदाय किया। राज्य स्तर से डॉ अभिनव वर्मा स्टेट प्रशिक्षण भोपाल के माध्यम से औचक निरीक्षण किया गया। प्रशिक्षण की शुभारंभ प्रेम लाल मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी शिक्षा विभाग के माध्यम से किया गया। प्रशिक्षण के दरम्यान मानसिक स्वास्थ्य तनाव प्रबंधन, चिंता अवसाद, आत्महत्या रोकथाम, मनहित एप, टेलीमानस आदि विषयों पर डॉ रोबिन गोयल मनोचिकित्सक रीवा ने सेसन लिया कैंसर, डायबिटीज, एनीमिया,मोटापा पोषण आदि विषयो पर डॉ सुनील अवस्थी,नशा मुक्ति पर विष्णु प्रताप सिंह,माहवारी एवं स्वच्छता प्रबंधन विषय पर श्रीमती आरती पांडेय ,अलका सिंह,उमंग क्लिनिक एवं रेफरल पर पंकज चौधरी ने सेसन लिया।

# सरस्वती जेलमार्ग में आयोजित मासांत बैठक में कई बिन्दुओं पर चर्चा

रीवा, नगर संवाददाता।

सरस्वती शिशु मंदिर/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जेलमार्ग मार्ग रीवा में 30 जून 2026 को विद्यालय के व्यवस्थापक नीरज खरे एवं प्राचार्य शिव कुमार शुक्ला द्वारा समस्त आचार्य बंधु/भगिनी के साथ एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें मासांत दिवस तक विद्यालय में होने वाले नवीन प्रवेश एवं टीसी की स्थिति, अभिभावक संपर्क, जुलाई माह में होने वाले नवीन प्रवेश के लिए बनाई गई कार्य योजना की समीक्षा, 1 जुलाई से भैया बहनों के लिए पठन-पाठन की आचार्य द्वारा बनाई गई कार्य योजना, जुलाई माह में किए जाने वाले विशेष कार्य आदि के विषय में आपसी विचार विमर्श एवं चिंतन किया गया। इसके पश्चात अभी तक प्रत्येक आचार्य द्वारा कराए गए प्रवेश की जानकारी एवं प्रत्येक कक्षा से जाने वाली टीसी की स्थिति की समीक्षा की गई। श्री खरे ने कहा कि जुलाई माह में सभी आचार्यों को विद्यालय में अधिक से अधिक नवीन प्रवेश कराने एवं भैया बहनों की उपस्थिति शत- प्रतिशत रहे इसके लिए विशेष प्रयास करने और पठन-पाठन की प्रक्रिया को नियमित रखते हुए उत्कृष्ट बनाने हेतु निर्देश प्रदान किया।

### वरिष्ठ आचार्य मातादीन को दी गयी विदाई

बैठक के द्वितीय सत्र में विद्यालय की वरिष्ठ आचार्य मातादीन द्विवेदी के लिए आज सेवानिवृत्ति पश्चात विदाई समारोह आयोजित किया गया। श्री द्विवेदी ने सन 1992 से लेकर 30 जून 2026 अर्थात 34 वर्षों तक अनवरत विद्यालय को अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान की। विद्यालय के व्यवस्थापक ने तिलक एवं श्रीफल से उनका सम्मान किया।

# ब्लॉक व मंडलम अध्यक्षों की बैठक आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

जिला शहर कांग्रेस कार्यालय, रीवा में जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू की अध्यक्षता में रीवा विधानसभा क्षेत्र के तीनों ब्लॉकों के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों एवं मंडलम अध्यक्षों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन सृजन अभियान को गति प्रदान करने, संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करने तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक अधिक मजबूत, सक्रिय एवं सशक्त बनाने पर विशेष बल दिया गया। जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू ने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति है। इसके लिए सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय,अनुशासन एवं टीम भावना के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने सभी ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों को निर्देशित किया कि संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत चल रहे सत्यापन कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाए तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जाएं।

**बाल भारती विद्यालय के छात्रों की सफलता**

# अभिनय, राज व रिद्धिमा ने आईआईटी-जेईई एडवांस्ड में लहराया परचम

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा शहर के विद्यालय बाल भारती के छात्र अभिनय तिवारी, राज सिंह एवं रिद्धिमा छुगानी ने कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए देश के प्रतिष्ठित जेईई एडवांस्ड परीक्षा में चयनित होकर अपने विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। जेईई एडवांस भारत की सबसे कठिन इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में से एक मानी जाती है, जिसके माध्यम से आईआईटी में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त होता है। विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय की संस्थापिका, निदेशक, प्राचार्य , शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अभिभावकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्जवल भविष्य की कामना किया। अभिनय तिवारी ने जेईई एडवांस में 99.74 परसेंटाइल के साथ 1561 रैंक हासिल किया एवं राज सिंह ने 99.97 परसेंटाइल एवं रिद्धिमा छुगानी का 97.32 परसेंटाइल रहा जो अपने आप में विद्यालय एवं विद्यार्थियों के लिए बड़ी उपलब्धि है।

### मेहनत,अनुशासन और निरंतर अभ्यास से मिलती है सफलता

इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक एवं प्राचार्य ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से सफलता अर्जित की जा सकती है। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी सफल विद्यार्थियों से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। बाल भारती विद्यालय का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उन्हें ज्ञान, कौशल, संस्कारों से समृद्ध करना है इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में शिक्षण कार्य को अधिक प्रभावी, नवाचारी एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। सफल विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय परिवार एवं गुरुजनों को देते हुए कहा कि नियमित अभ्यास, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी हैं।

# खजुआ कला में किसानों की समस्याओं पर विचार गोष्ठी आयोजित

**■ कामरेड लालमणि ने कलेक्ट्रेट घेराव की दी चेतावनी**

रीवा, नगर संवाददाता।

शहीदे आज़म भगत सिंह पैनल के तत्वावधान में ग्राम खजुआ कला में किसानों की विभिन्न समस्याओं एवं जनहित के मुद्दों को लेकर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत वार्ड क्रमांक-15 के सदस्य कामरेड लालमणि त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कामरेड रामानुज तिवारी ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामबहोरन पटेल, रामप्रसाद गुप्ता, रामसुशील द्विवेदी, अरुण कुमार पाण्डेय, बाबूलाल शुक्ला, राजेन्द्र साकेत, शहीदे आज़म भगत सिंह पैनल के संयोजक ज्ञानेंद्र सिंह, भूपेन्द्र सिंह, अयोध्या पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में ग्राम खजुआ कला के प्राचीन तालाब के संरक्षण एवं उसके अस्तित्व को बचाने का सर्वसम्मति से संकल्प लिया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक पौधे लगाने का भी संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कामरेड लालमणि त्रिपाठी ने कहा कि मानसून की बारिश शुरू होने में अब केवल कुछ ही समय शेष है, लेकिन किसानों के हित में सरकार द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित नहीं की गई हैं। कामरेड लालमणि ने कहा कि यदि शीघ्र ही किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो किसानों के साथ कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा

संपादकीय

## कब होगा समझौता

वैश्विक स्तर पर भी अभी भी आपात स्थितियां बनी हुई हैं, क्योंकि अमरीका और ईरान के बीच सब कुछ विरोधाभासी ही है। दोनों देशों ने 14 बिंदुओं वाले सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन संवाद ठहरा है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार विनाशक हमले की धमकियां दे रहे हैं। वहां के अधिकतर लोग मानते हैं कि ईरान युद्ध में अमरीका पराजित हुआ है। सहमति-पत्र में लगभग सभी ईरानी शर्तें अमरीका को माननी पड़ी हैं। सीनेट में भी ट्रंप हार गए हैं, क्योंकि अमरीकी संसद ने 'वॉर पॉवर्स' संबंधी प्रस्ताव पारित कर लिया है। अब संसद की पूर्व अनुमति के बिना राष्ट्रपति ट्रंप किसी भी युद्ध में कूद नहीं सकते। बहरहाल ट्रंप की धमकियों पर ईरान भी पलटवार को तैयार है। उनके सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का एक सीक्रेट पत्र लीक हुआ है, जिसमें साफ आदेश है कि अमरीका के साथ बातचीत तुरंत रोक दें। इसी जंगी माहौल में ईरान ने 'कादिर' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। अमरीका और ईरान युद्ध के मोर्चों पर सैन्य तौर पर तैनात हैं। क्या ऐसे समझौता संभव है? ईरान और इजरायल एक बार फिर एक-दूसरे पर विध्वंसक हमले करने की तैयारी-तैनाती में हैं। राष्ट्रपति ट्रंप लेबनान पर हमले रोकने के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर दबाव नहीं बना सके हैं। इजरायल हवाई बमबारी कर दक्षिण लेबनान में तबाही और विध्वंस को जारी रखे है। लगातार हत्याएं की जा रही हैं, लोग विस्थापित होने को मजबूर हैं, लेकिन ट्रंप सिर्फ ईरान को धमकाते रहते हैं कि समझौता नहीं हुआ, तो पहले से ज्यादा विध्वंसक हमले झेलने पड़ेंगे। ईरान पहले ही बर्बाद हो चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप की धमकियों के कारण ही समझौते का संवाद 24 घंटे भी जारी नहीं रह सका है। ईरानी दल ने अमरीकी दल से न तो हाथ मिलाया, न ही संयुक्त फोटो खिंचवाई, बल्कि वार्ता-सभागार से वॉकआउट कर गया। ईरान ने मध्यस्थों को साफ कर दिया कि वे अमरीका के साथ इस तरह बातचीत नहीं करेंगे। तो क्या समझौता नहीं होगा? अधिक मौजू सवाल यह है कि जिस तरह ट्रंप ईरान को हड़काए रखना चाहते हैं, उसके मद्देनजर अंतिम समझौता कैसे होगा? अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस ने ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों, यूरेनियम के संवर्धन और अमरीकी सामान खरीदने की बाध्यता पर जो बयान दिए हैं, ईरान ने उनका खंडन किया है। ईरान ने अमरीका और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को साफ कह दिया है कि परमाणु स्थलों का निरीक्षण अंतिम समझौता होने के बाद ही संभव हो सकता है। ईरानी दल ने स्विट्जरलैंड में आईएईए प्रमुख राफेल ग्रोसी से मुलाकात करने से भी इंकार कर दिया है। अमरीका और ईरान के दरमियान इतने विरोधाभास हैं कि सवाल स्वाभाविक लगता है कि इस तरह अंतिम समझौता कैसे होगा? समझौता होगा भी अथवा नहीं? 'व्हाइट हाउस' ने एक महत्वपूर्ण निर्णय के तहत ईरानी तेल को पाबंदियों से मुक्त कर दिया है। 1979 के बाद अमरीका ने यह ऐतिहासिक फैसला लिया है। बेशक ईरान वार्ता के 60 दिनों तक ही तेल की आजादी महसूस करेगा, फिर भी उसकी अर्थव्यवस्था के लिए यह अति महत्वपूर्ण निर्णय है। ईरान हमेशा पाबंदी-मुक्त रहे, यह बिंदु भी सहमति-पत्र में है। यदि समझौता हुआ, तो ईरान को हमेशा के लिए पाबंदी-मुक्त करना ही पड़ेगा। बहरहाल ईरान इस दौरान 40-43 अरब डॉलर का तेल बेच सकेगा। इसी के मद्देनजर भारत ने भी ईरान से 38.85 लाख बैरल तेल खरीदा है। संभव है कि दोनों देशों के बीच नया करार हो जाए!

### लोक और कानून की भाषा के बीच का अंतर पाटना जरूरी

# नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं

उमेश चतुर्वेदी

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे।

भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा।

पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और

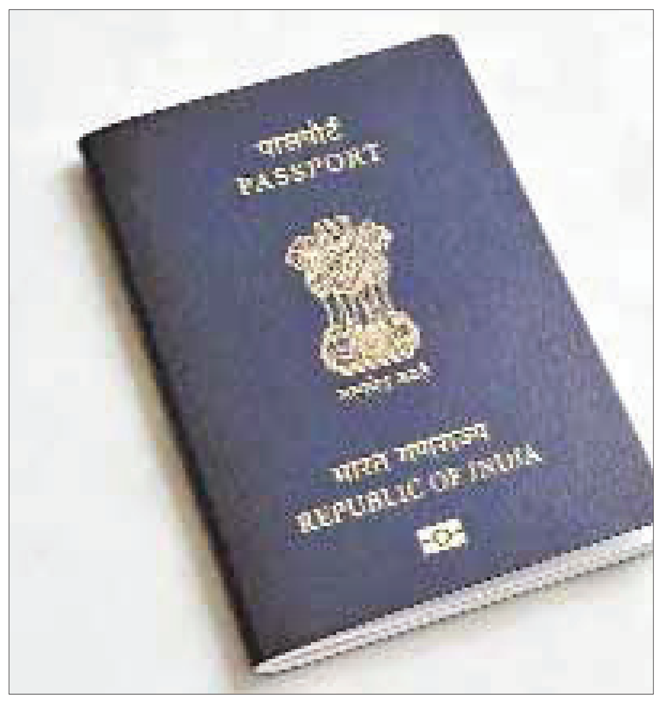


नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है।

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप जब पासपोर्ट, आधार कार्ड , पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम धारणा के चलते आम आदमी इसके विरोध में उतर आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है? उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं?

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नगारकिता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पैन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करे। निश्चित तौर पर इसका भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, जन्म की तारीख और जन्म-स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, ऐसे स्वीकार्य दस्तावेजों पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसमें रिलीज में कहा गया था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, इन दस्तावेजों के बारे में आखिरी रूप से अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसमें वोटर कार्ड, पासपोर्ट, आधार, लाइसेंस, इंश्योरेंस के कागजात, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, जमीन या घर से जुड़े दस्तावेज या सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए ऐसे ही अन्य दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। इस लिस्ट में और भी दस्तावेज़ शामिल किए जा सकते हैं ताकि किसी भी भारतीय नागरिक को बेवजह परेशानी न हो।

बेशक कानून की भाषा अलग होती है और लोक का शब्द संसार अलग, लेकिन दोनों के बीच संतुलन होना ही चाहिए। लोक की समझ अपने तंत्र के लिए बेहतर बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोक और कानून की भाषा के बीच के अंतर को पाट लिया जाए। अन्यथा गलतफहमियां होती रहेंगी और आखिरकार इससे नुकसान लोकतंत्र का होगा।

**लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं..**

# हिन्द महासागर की अर्थ-नीति

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अगर हम विश्व इतिहास पर नजर डालें तो पिछली सदियों का इतिहास दुनिया के तमाम देशों पर कुछ चुनिन्दा यूरोपीय देशों के साम्राज्यवादी अधिपत्य का इतिहास रहा है और इस बीच तुर्की में स्थापित शक्तिशाली उस्मानिया साम्राज्य के वर्चस्व की गाथा भी कहता रहा है। दूसरी तरफ यह दौर विश्व में औद्योगिक क्रान्ति का भी दौर रहा है जिसके चलते यूरोपीय देशों ने अपनी व्यापार बुद्धि के बल पर एशिया व अफ्रीका समेत दूसरे महाद्वीपों के देशों पर भी अपना साम्राज्य स्थापित किया और इनके समुद्री मार्गों पर अपना कब्जा जमाया। इनमें ब्रिटेन से लेकर फ्रांस व नीदरलैंड से लेकर पुर्तगाल जैसे देश शामिल थे।

इनमें से ब्रिटेन पहले नम्बर पर था जिसने अमरीका जैसे देश तक पर अपना राज कायम करने में सफलता प्राप्त कर ली थी, परन्तु कालान्तर में 17वीं सदी में ही ब्रिटेन को इस देश से अपना कब्जा छोड़ना पड़ा, परन्तु इसके बाद एशिया व अफ्रीका के अधिसंख्य देशों पर इसका कब्जा बना रहा। इस सन्दर्भ में यह नहीं भूलना चाहिए कि 17वीं सदी के शुरूआती दौर में ही अंग्रेजों की नजर भारत पर पड़ी और उसने इसके साथ व्यापार करने के रास्ते खोजने शुरू किये जिसके चलते मुगल सम्राट जहांगीर के शासनकाल में इन्होंने भारत में व्यापार करने का शाही फरमान जारी कराया। इस बात का अन्दाजा लगाया जा सकता है कि उस समय भारत का विश्व व्यापार में क्या हिस्सा रहा होगा, क्योंकि 1756 में जब अंग्रेजों की ईस्ट इंडिया कम्पनी ने बंगाल के नवाब सिरोजुदौला को पलाशी युद्ध में छल-बल से हराया तो विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा 24 प्रतिशत के लगभग था। उस समय तक मुगलिया सल्तनत ढह चुकी थी और पूरे भारत में देशी राजे-रजवाड़ों की स्वायत्तता सिर चढ़ कर बोल रही थी, परन्तु इसके बाद जब औद्योगिक क्रान्ति का दौर शुरू हुआ तो साम्राज्यवादी यूरोपीय ताकतों ने दुनिया के प्राकृतिक आय स्रोतों से सम्पन्न व समुद्री मार्ग से व्यापार के लिए जरूरी बने देशों को कब्जाना शुरू किया जिससे वे अपने देश में बने माल की समुचित खपत कर सकें और इन देशों में उपलब्ध खनिज सम्पदा का अधिकाधिक दोहन अपने लाभ में कर सकें। इस क्रम में भारत की भौगोलिक स्थिति अंग्रेजों के लिए आदर्श साबित हुई, जहां से बैठ कर उन्होंने पूरे पश्चिम एशिया का शासन संचालित किया। इसके लिए सबसे पहले तुर्की के उस्मानिया साम्राज्य का ढहना जरूरी था जिसे उन्होंने 1914 में शुरू हुए प्रथम विश्व युद्ध के दौरान किया। तब तक भारत पर अंग्रेजों का पुख्ता राज कायम हो चुका था और अमेरिका भी अपनी ताकत के बूते पर विश्व व्यवस्था में अपनी जगह बना चुका था। इस युद्ध के बाद ब्रिटेन ने अपनी सुविधा के अनुसार एशिया व अफ्रीकी देशों का भौगोलिक निर्धारण किया खास कर पश्चिम एशियाई देशों का क्योंकि तब तक इन देशों में इनकी धरती के गर्भ में छिपे खनिज तेल की खोज होने लगी थी, परन्तु विश्व क्रम के इस बदलाव के बाद जर्मनी में भी औद्योगिक क्रान्ति के चलते अपना वर्चस्व पूरी दुनिया में स्थापित करने की इच्छा जागृत हुई और इसके तानाशाह बने नेता हिटलर ने विश्व विजेता बनने की ठान ली, परन्तु इसके समानान्तर रूस में ऐसा बदलाव हो रहा था जिसमें दुनिया के औपनिवेशिक देशों में अपने बूते पर शासक वर्ग के खिलाफ विद्रोह करने की भावना को बल मिल रहा था। अत: हिटलर ने 1938 के आते-आते पहला समझौता रूस के साथ ही किया और अन्य करीब के यूरोपीय देशों के विरुद्ध सैन्य अभियान शुरू कर दिया, परन्तु हिटलर की बढ़ती ताकत से खुद रूस ही घबरा बैठा और उसने इस युद्धकाल में यूरोपीय देशों के पाले में जाना बेहतर समझा। इस युद्ध को ही द्वितीय विश्व युद्ध कहा गया जिसमें रूस समेत सभी यूरोपीय ताकतों ने जर्मनी का विरोध किया केवल जापान व इटली जैसे देशों ने हिटलर का साथ दिया जिनकी 1945 के आते- आते भारी पराजय हुई और जर्मनी भी दो भागों में बंट गया, परन्तु इस युद्ध के चलते ब्रिटेन समेत अन्य साम्राज्यवादी यूरोपीय देशों की ताकत खत्म सी हो गई और इसके समानान्तर अमेरिका की आर्थिक ताकत सब के सिर चढ़ कर बोलने लगी। हालत यहां तक आ गई कि ब्रिटेन के पास अपनी विशाल फौज की तनख्वाहें देने तक के पैसे नहीं बचे और अमेरिका की मदद से उसे यह काम करने को मजबूर होना पड़ा जिससे अमेरिका ने दबाव बनाना शुरू किया ब्रिटेन अपने उपनिवेशों को खाली करें जिससे इन देशों में बढ़ते सोवियत या रूसी प्रभाव को थामा जा सके। ऐसे देशों में भारत सबसे प्रमुख राष्ट्र था अत: 1947 में इसे स्वतन्त्र घोषित कर दिया गया परन्तु इसे धार्मिक आधार पर दो देशों में बांट दिया गया। इसका प्रमुख कारण यह था कि पाकिस्तान को यूरोपीय देश भविष्य में अपना 'सेवादेश' बनाकर रखना चाहते थे जिससे इसके कराची शहर से लगे अरब महासागर की मार्फत आस्ट्रेलिया तक फैले प्रशान्त महासागर तक के क्षेत्र में अपना दबदबा कामय रख सकें।

प्रधानमन्त्री इसी देश की तीन दिन की राजकीय यात्रा पर आजकल यहां गये हुए हैं। अत: श्री मोदी का द्विपक्षीय वार्ता के बाद यह कहना कि भारत हिन्द महासागर परिक्षेत्र को अवसरों का महासमुद्र बनाना चाहता है। पूरे महासागरीय मूलक देशों की अर्थव्यवस्था को नया आयाम देने वाला है। सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने श्री मोदी को अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्जियन आफ द ब्लू होराइजन से भी सम्मानित किया। श्री मोदी ने हिन्द महासागर क्षेत्र को समुद्री अपराधों से मुक्त रखने के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने व संयुक्त रणनीति बनाने पर भी जोर दिया। भारत सत्तर के दशक तक हिन्द महासागर क्षेत्र को अंतर्राष्ट्रीय शान्ति क्षेत्र घोषित करने के पक्ष में रहा था। श्री मोदी अब बदली परिस्थितियों में इस क्षेत्र के सभी देशों की अर्थव्यवस्थाओं को आपसी निर्भरता के आधार पर विकास के पथ पर डालना चाहते हैं जिसके लिए स्पष्ट दूरदर्शी नीतियों की आवश्यकता है। हिन्द महासागर क्षेत्र की एक विशिष्ट शक्ति होने की वजह से भारत की नीति इसी लक्ष्य को प्राप्त करने की तरफ आगे बढ़ती प्रतीत हो रही है।

## आधी सदी का मौन युद्ध, इबोला के खिलाफ योजना और धैर्य से लड़नी होगी जंग

वीर सिंह

वर्ष 1976 से लेकर 2026 तक 50 वर्षों की यात्रा में इबोला वायरस वर्षावनों से निकलकर अफ्रीका के गावों में मौतों का पिटारा खोलकर अपना डेरा डाल देता है और कुछ वर्षों के लिए शांत हो जाता है। लेकिन, 2026 का प्रकोप कुछ अलग तरह का है। एक महाद्वीप से लेकर अब यह पूरे विश्व में अपना वर्चस्व स्थापित करने पर उतारू है। जब विगत 15 मई को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा ने इबोला प्रकोप की घोषणा की, तब तक वहां 246 संदिग्ध मामलों और 80 मौतों की पुष्टि हो चुकी थी। एक अंतरराष्ट्रीय शोध दल के अनुसार, इबोला संक्रमितों की वास्तविक संख्या बहुत अधिक हो सकती है। इस वर्ष इबोला का एक नया अवतार, बुंडीबुग्यो (बीवीडी) प्रकट हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक ने इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित किया है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि बुंडीबुग्यो की रोकथाम के लिए कोई टीका नहीं है, और न ही उपचार। डब्ल्यूएचओ ने अपनी सभी आपातकालीन प्रणालियों को सक्रिय कर दिया है। अफ्रीकी सीडीसी ने भी महाद्वीप की सुरक्षा के लिए डब्ल्यूएचओ के पीएचईआईसी के समानांतर घोषणापत्र जारी कर दिया है।

विश्व की सबसे अधिक जनसंख्या वाला हमारा देश भी इबोला को लेकर सतर्क हो चुका है। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी निवारक तंत्रों को 'पूरी तरह सतर्क और क्रियाशील' रहने के दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) को ट्रैकिंग, परीक्षण और निगरानी के लिए निरंतर तत्परता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। 1976 में, अफ्रीका के जैरे का एक मिशनरी अस्पताल एक रहस्यमयी वायरस की वजह से मुर्दाघर बनता जा रहा था। तब किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि यही वायरस 2026 में अपनी खोज की स्वर्ण जयंती मना रहा होगा। इबोला का प्रथम ज्ञात मामला इबोला नदी के आसपास से प्रकाश में आया था। अगस्त-सितंबर 1976 में इबोला नदी से 60 किलोमीटर दूर यंबुक मिशन अस्पताल में रक्तस्रावी बुखार के पीड़ितों का अंबार लगने लगा था। बेल्जियम के वैज्ञानिक पीटर पिओट और उनकी टीम ने इस बीमारी के वायरस की पहचान की। कार्ल जॉनसन ने इस वायरस का नाम इबोला नदी के नाम पर रखा। इबोला का घातक प्रभाव केवल चिकित्सा पद्धति पर ही नहीं, सामाजिक ताने-बाने पर भी पड़ता है। वायरस न केवल लोगों की जान लेता है, स्वास्थ्य सेवाओं में लोगों के विश्वास को भी लील जाता है। किसी महामारी के जड़मूल निराकरण के लिए केवल टीके ही पर्याप्त नहीं हैं। किसी क्षेत्र की गरीबी, संघर्ष, अविश्वास, और लचर स्वास्थ्य प्रणालियां इबोला को फैलाने में सहायक हो रही हैं। डब्ल्यूएचओ की इबोला महामारी के प्रबंधन की विस्तृत रणनीति में एक वाक्य छिपा है-'बड़े पैमाने पर विश्वास निर्माण और सामुदायिक सहभागिता का वातावरण बनाएं।' यदि इबोला नदी की तरह इबोला वायरस का खतरा भी अफ्रीका और दुनिया में लगातार न फैलता रहे, तो इसके लिए प्राकृतिक वनों का संरक्षण और विस्तार, जंगली जानवरों के शिकार पर प्रभावी रोक तथा वन्यजीवों के साथ मानव संपर्क को न्यूनतम करना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा, मांसाहार से बचने जैसी सावधानियां वायरस को उसके प्राकृतिक परिवेश तक सीमित रखने और भविष्य में इबोला जैसी महामारियों के जोखिम को कम करने में मददगार हो सकती हैं।

# राजधानी छीनी, संस्थान छीने, पहचान छीनी, अब और कितना सहेगा जबलपुर?

पवन शर्मा

**अध्यक्ष**
**आर्ट वेद कल्चरल एंड स्पोर्ट्स सोसायटी**

सवाल केवल एक शहर का नहीं, बल्कि उस सोच का है जिसने मध्यप्रदेश के एक गौरवशाली नगर को धीरे-धीरे उसके अधिकारों से दूर कर दिया।

जबलपुर कभी केवल एक शहर नहीं था। यह महाकौशल की पहचान था, मध्यप्रदेश की प्रशासनिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और न्यायिक शक्ति का केंद्र था। यह वह शहर था जहां से प्रदेश के भविष्य की कल्पना की जाती थी। लेकिन आज वही शहर अपने अस्तित्व, सम्मान और अधिकारों की लड़ाई लड़ने को मजबूर है।

स्वतंत्रता के बाद राज्य पुनर्गठन के दौर में जब मध्यप्रदेश का स्वरूप तय हो रहा था, तब जबलपुर को राजधानी बनाने के पक्ष में अनेक तर्क मौजूद थे। भौगोलिक स्थिति, प्रशासनिक आधारभूत संरचना, शैक्षणिक प्रतिष्ठा और क्षेत्रीय महत्व हर दृष्टि से जबलपुर एक स्वाभाविक दावेदार माना जाता था। लेकिन राजनीति ने अलग दिशा चुनी और राजधानी भोपाल चली गई।

इतिहास का यह निर्णय केवल राजधानी तक सीमित नहीं रहा। इसके बाद शुरू हुआ वह सिलसिला, जिसने धीरे-धीरे जबलपुर की संस्थागत शक्ति को कमजोर किया। सरकारी कार्यालयों का प्रभाव घटा, कई महत्वपूर्ण संस्थानों की भूमिका सीमित हुई, अनेक निर्णय शहर से दूर लिए जाने लगे और विकास की धारा का केंद्र बदलता चला गया।

सबसे अधिक पीड़ा तब होती है जब शिक्षा के क्षेत्र की बात आती है। जिस जबलपुर ने मध्यप्रदेश को उच्च शिक्षा की मजबूत नींव दी, जहां प्रदेश के सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में से कुछ स्थापित हुए, वही शहर धीरे-धीरे अपनी शैक्षणिक बढ़त खोता चला गया। कभी शिक्षा का केंद्र कहलाने वाला जबलपुर आज अपने पुराने गौरव को याद करने को विवश है। नए संस्थानों की स्थापना हो या पुराने संस्थानों का विस्तार, शहर को अक्सर प्रतीक्षा ही मिली है।

कृषि, पशु चिकित्सा, तकनीकी शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में भी शहर की संभावनाओं का वैसा उपयोग नहीं हुआ, जैसा होना चाहिए था। आज भी जबलपुर में वह क्षमता मौजूद है कि वह पूरे मध्यभारत का सबसे बड़ा शिक्षा केंद्र बन सके, लेकिन इसके लिए दृष्टि, इच्छाशक्ति और राजनीतिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।

खेलों का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा। कभी जिन खेल संगठनों और गतिविधियों से शहर की पहचान जुड़ी थी, वे धीरे-धीरे प्रभावहीन होते गए। संस्थाएं बचीं, लेकिन उनका प्रभाव सिकुड़ता गया। खेल प्रतिभाओं ने शहर को गौरवान्वित किया, पर खेल संरचना को वह महत्व नहीं मिला जिसकी अपेक्षा थी।

औद्योगिक विकास की बात करें तो तस्वीर और भी चिंताजनक दिखाई देती है। जब देश के अनेक शहर उद्योग, निवेश और रोजगार के नए अवसरों के साथ आगे बढ़ रहे थे, तब जबलपुर अपनी संभावनाओं के बावजूद अपेक्षित गति नहीं पकड़ सका। इसका परिणाम यह हुआ कि हजारों युवाओं को रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में शहर छोड़ना पड़ा। जिस शहर को प्रतिभाओं को आकर्षित करना चाहिए था, वह अपनी प्रतिभाओं को रोक पाने में संघर्ष करता दिखाई देता है।

लेकिन क्या इसके लिए केवल सरकारें जिम्मेदार हैं?

यह प्रश्न जितना असहज है, उतना ही आवश्यक भी।

सच्चाई यह है कि जबलपुर को जितना नुकसान बाहरी निर्णयों से हुआ, उतना ही नुकसान उसकी आंतरिक कमजोरियों ने भी पहुंचाया। शहर के नेता दलों में बंटे रहे, लेकिन शहर के मुद्दों पर शायद ही कभी एकजुट दिखाई दिए। व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं शहर के सामूहिक हितों पर भारी पड़ती रहीं। स्वागत, सम्मान, मालाएं और राजनीतिक निष्ठाओं के प्रदर्शन में ऊर्जा खर्च होती रही, लेकिन शहर के अधिकारों के लिए वैसा संगठित संघर्ष कभी खड़ा नहीं हो सका जिसकी आवश्यकता थी।

व्यापारी अपने मुद्दों तक सीमित रहे, उद्योगपति अपनी चुनौतियों तक, सामाजिक संगठन अपने कार्यक्रमों तक और बुद्धिजीवी अपने विमर्शों तक। परिणाम यह हुआ कि जबलपुर की आवाज अनेक टुकड़ों में बंट गई।

प्रशासन की भूमिका भी प्रश्नों के घेरे से बाहर नहीं है। शहर को एक दीर्घकालिक दृष्टि देने, उसके भविष्य की योजना बनाने और उसकी विशिष्ट पहचान को संरक्षित रखने के प्रयास अपेक्षित स्तर पर दिखाई नहीं दिए। विकास केवल परियोजनाओं का नाम नहीं होता, विकास एक दृष्टिकोण होता है, और यही दृष्टिकोण वर्षों से कमजोर पड़ता दिखाई देता है।

विडंबना यह है कि जबलपुर में संगठनों की कोई कमी नहीं है। लगभग हर क्षेत्र में संगठन हैं, मंच हैं, समितियां हैं और संघ हैं। लेकिन शहर के लिए एक साझा मंच नहीं है। जब तक उद्योग, व्यापार, शिक्षा, संस्कृति, खेल, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों की सामूहिक आवाज नहीं बनेगी, तब तक शहर अपने अधिकारों के लिए प्रभावी संघर्ष नहीं कर पाएगा।

आज आवश्यकता किसी एक नेता, एक दल या एक सरकार को दोष देने की नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि पूरा शहर आत्ममंथन करे। हमें यह पूछना होगा कि जब हमारे संस्थान कमजोर किए जा रहे थे, तब हमारी आवाज कहां थी? जब अवसर दूसरे शहरों की ओर जा रहे थे, तब हमारा प्रतिरोध कहां था? जब हमारी पहचान धुंधली की जा रही थी, तब हमारा नेतृत्व क्या कर रहा था?

शहरों का पतन एक दिन में नहीं होता। पहले उनकी राजधानी जाती है, फिर संस्थान जाते हैं, फिर अवसर जाते हैं और अंत में लोगों का विश्वास चला जाता है।

जबलपुर को इस अंतिम स्थिति तक नहीं पहुंचने देना है।

यह शहर आज भी अपनी सांस्कृतिक विरासत, शैक्षणिक परंपरा, न्यायिक महत्व, सैन्य उपस्थिति, प्राकृतिक सौंदर्य और नागरिक चेतना के कारण विशिष्ट स्थान रखता है। उसके पास इतिहास भी है, क्षमता भी है और भविष्य भी। आवश्यकता केवल उस सामूहिक संकल्प की है जो कह सके कि अब और नहीं।

समय आ गया है कि जबलपुर अपने अधिकारों, अपने संस्थानों, अपनी पहचान और अपने भविष्य के लिए एकजुट हो।

क्योंकि आने वाली पीढ़ियां हमसे केवल एक प्रश्न पूछेंगी

जब जबलपुर का भविष्य दांव पर लगा था, तब आप क्या कर रहे थे?

और उस दिन हमारे पास कोई बहाना नहीं होगा।

अब निर्णय जबलपुर को करना है।

इतिहास का शिकार बने रहना है, या इतिहास रचना है।

## संक्षिप्त समाचार

### गांधी प्राणी उद्यान में तेंदुआ बीमार

**ग्वालियर।** गांधी प्राणी उद्यान में वर्ष 2018 में हरियाणा के गुड़गांव स्थित सोनचिरैया अभयारण्य क्षेत्र से रेस्क्यू कर लाया गया नर तेंदुआ इन दिनों अस्वस्थ है। कुएं में गिरने से घायल हुए इस तेंदुए के दोनों पंजे क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिसके बाद उसका उपचार गांधी प्राणी उद्यान में किया गया था। वर्तमान में तेंदुए की उम्र लगभग 20 वर्ष हो चुकी है और पिछले कुछ समय से उसकी तबियत खराब चल रही है। बीमारी के कारण उसने भोजन लेना भी कम कर दिया है। प्राणी उद्यान प्रबंधन द्वारा उसे तरल चिकन सूप सहित विशेष डाइट दी जा रही है तथा पशु चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार और देखभाल की जा रही है।

### जल संरक्षण के लिए 57 स्थानों पर बन रहीं वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं

**ग्वालियर।** शहर में वर्षा जल संरक्षण और जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर निगम ने विशेष अभियान शुरू किया है। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देशन में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक आधारित वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है। नगर निगम द्वारा सर्वेक्षण के बाद उन स्थानों को चिन्हित किया गया है, जहां बारिश के दौरान जलभराव या पानी का अधिक बहाव होता है। इन स्थलों पर वर्षा जल को सीधे जमीन में पहुंचाने के लिए विशेष संरचनाएं विकसित की जा रही हैं, जिससे भू-जल स्तर में सुधार हो सके।

अंचल में 48 से 72 घंटे में मानसून आने की संभावना

# एक से चार जुलाई तक बारिश का यलो अलर्ट

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

पिछले कई दिनों से चिलचिलाती धूप और उमस भरी भीषण गर्मी का सामना कर रहे ग्वालियर-चंबलवासियों के लिए मौसम विभाग से राहत की खबर आई है। मौसम विभाग ने एक से चार जुलाई तक अंचल में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही 48 से 72 घंटे के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून आने की संभावना भी जताई है।

ग्वालियर में जून माह में मात्र 39.3 मिलीमीटर ही बारिश हुई है। साथ ही मौसम भी अधिकतर शुष्क रहा। इसके चलते अधिकांश दिनों में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस पर टिका रहा। ऐसे में जून का महीना भीषण उमस भरी गर्मी के साथ बीता लेकिन जुलाई में मानसूनी बारिश की शुरुआत होने से राहत की उम्मीद की जा रही है। मौसम विज्ञान केन्द्र भोपाल के अनुसार पिछले कुछ दिनों से भोपाल से नीचे अटका मानसून मंगलवार को संपूर्ण भोपाल को कवर करते हुए सागर तक आगे बढ़ गया है। मानसून के आगे बढ़ने की गति यदि इसी प्रकार जारी रही तो यह अगले दो से तीन दिन में ग्वालियर-चंबल संभाग को भी कवर कर सकता है। मौसम विभाग के अनुसार दो जुलाई को उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ आने की संभावना है जबकि तीन जुलाई को उत्तरी बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने की उम्मीद है। इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से मानसून आगे बढ़ने के साथ बारिश की गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

### प्रदेश में ग्वालियर की रात सबसे गर्म

ग्वालियर में न केवल दिन बल्कि रात में भी भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। यहां 31.1 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ रविवार-सोमवार की रात प्रदेश के अन्य जिलों की तुलना में सबसे गर्म रही। इसी प्रकार 30.3 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ सोमवार-मंगलवार की रात भी सबसे गर्म रही। ग्वालियर में आज अधिकतम तापमान 40.0 डिग्री सेलिल्सयस दर्ज किया गया जो सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

### मानसून को लेकर झांसी मंडल अलर्ट, सुरक्षित रेल संचालन के लिए तैयारियां

मानसून के दौरान सुरक्षित और निर्बाध रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए झांसी रेल मंडल ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के मार्गदर्शन में रेलवे ट्रैक, पुल, पुलियों, नालियों और अन्य रेलवे परिसंपत्तियों की विशेष निगरानी की जा रही है। रेल प्रशासन ने संवेदनशील रेलखंडों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। संभावित भू-स्खलन, मिट्टी कटाव और जलभराव जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक सामग्री पहले से तैयार रखी गई है। संबंधित इंजीनियरिंग अधिकारियों को स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखने तथा नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा संवेदनशील क्षेत्रों में चौकीदार और पेट्रोलमैन भी तैनात किए गए हैं। मंडल में पुलियों और नालियों की सफाई का कार्य तेज गति से चल रहा है, ताकि वर्षा जल की निकासी सुचारु बनी रहे। यार्ड और ट्रैक क्षेत्रों से मलबा हटाया जा रहा है तथा पहाड़ी कटिंग वाले क्षेत्रों में ड्रेनों की सफाई की जा रही है। ओवरहेड उपकरण, सिग्नल और ट्रैक को नुकसान पहुंचाने वाली पेड़ों की शाखाओं की भी छंटाई की जा रही है। रेलवे ने आपातकालीन संचार व्यवस्था को मजबूत करने के साथ जलस्तर निगरानी उपकरण भी लगाए हैं। उत्तर मध्य रेल ने यात्रियों को सुरक्षित और व्यवधानमुक्त यात्रा उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम पूरे कर लिए हैं।

### किसानों को धान की फसल कम लगाने की सलाह

इस बार अल-नीनो के प्रभाव से कम बारिश की संभावना को देखते हुए कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को धान की फसल कम लगाने की सलाह दी है। कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर के सेवानिवृत्त प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. राजसिंह कुशवाह का कहना है कि चूंकि कम बारिश की संभावना को देखते हुए इस बार हरसी नहर से सिंचाई के लिए पानी मिलने की उम्मीद कम है। इसलिए धान की फसल वो ही किसान लगाएं जिनके पास सिंचाई के पयाप्त निजी साधान मौजूद हैं। उन्होंने कहा है कि धान की बजाय कम पानी वाली ग्वार, बाजारा, मूंग, उड़द, तिली, अरहर आदि फसलें ज्यादा लगाएं। उन्होंने धान की नर्सरी को लेकर भी किसानों को सलाह दी है। डॉ. कुशवाह का कहना है कि अधिकांश किसान धान की नर्सरी में पानी भर देते हैं। चूंकि इन दिनों तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चल रहा है। तेज धूप से पानी गर्म हो जाता है। इससे धान की पौध खराब हो सकती है। इसलिए धान की नर्सरी में पानी भरने की बजाय दो से तीन दिन के अंतराल में सिंचाई करते रहें। जिससे धान की पौध खराब नहीं होगी।

## बिना सूचना गायब रहने वाले 28 आउटसोर्स

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

नगर निगम ने लंबे समय से बिना सूचना के अनुपस्थित चल रहे 28 आउटसोर्स श्रमिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनकी सेवाएं संबंधित कंपनी को वापस कर दी हैं। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय के निर्देश पर अपर आयुक्त प्रदीप तोमर द्वारा जारी आदेश के बाद यह कार्रवाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्रवाई की जद में चिड़ियाघर के इमरान खान, विधि विभाग के ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव, निर्वाचन शाखा के ललित कुमार गोस्वामी, मदाखलत शाखा के बंटी, राजेश, संदीप सिंह और नरेन्द्र चौहान, गौशाला की सपना सक्सेना, गिर्राज सिंह और रवि शर्मा सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी आए

## खेल संस्कृति को दें बढ़ावा : शर्मा

### एलएनआईपीई में येस पीई कार्यक्रम का समापन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) में आयोजित पांच दिवसीय येस पीई-2026 (यंग एंगेजमेंट इन स्पोर्ट्स एंड फिजिकल एजुकेशन) कार्यक्रम का मंगलवार को समापन हुआ। समापन समारोह की मुख्य अतिथि संस्थान की कुलपति प्रो. कल्पना शर्मा रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रभारी कुलसचिव प्रो. यतेन्द्र सिंह, कार्यक्रम समन्वयक प्रो. जोसेफ सिंह, केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-1 के प्राचार्य राजेश पांडे तथा केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 वायुसेना स्टेशन के प्राचार्य संजीव कुमार उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. कल्पना शर्मा ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को खेल एवं शारीरिक शिक्षा का सशक्त दूत बनाने का राष्ट्रीय अभियान है। उन्होंने प्रतिभागियों से अपने विद्यालयों और समुदाय में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने का आह्वान किया। देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने बताया कि पांच दिनों के प्रशिक्षण से उन्हें नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क, संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास और खेलों के सामाजिक महत्व को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। सहायक कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नरेन्द्र यादव ने आभार व्यक्त किया। जनसंपर्क अधिकारी तरुण प्रताप सिंह तोमर ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को खेल एवं शारीरिक शिक्षा का युवा राजदूत बनाना है।

### आईआईटीटीएम में प्रवेश के लिए तीन तक आवेदन का मौका

**ग्वालियर।** भारतीय पर्यटन एवं यात्रा प्रबंध संस्थान (आईआईटीटीएम), ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बीबीए (टूरिज्म एंड ट्रैवल) और एमबीए (टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट) पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 3 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जबकि ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा 5 जुलाई को आयोजित होगी। आईआईटीटीएम ने इस वर्ष प्रवेश प्रक्रिया को अधिक छात्र हितैषी बनाते हुए अधिकतम आयु सीमा और न्यूनतम प्रतिशत की अनिवार्यता समाप्त कर दी है। इससे विभिन्न आयु वर्ग और शैक्षणिक पृष्ठभूमि के अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा। संस्थान की निदेशक डॉ. मोनिका प्रकाश ने विद्यार्थियों से समय रहते आवेदन करने की अपील की है। वहीं नोडल अधिकारी डॉ. सौरभ दीक्षित ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। प्रवेश समिति के अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर बरुआ ने बताया कि पूरी प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। अभ्यर्थी संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन कर सकते हैं।

## संपत्तिकर पर छह प्रतिशत छूट की अवधि 31 अगस्त तक बढ़ाने की मांग

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ग्वालियर ने संपत्तिकर पर 6 प्रतिशत की छूट के साथ कर जमा करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढ़ाने तथा गार्बेज शुल्क का युक्तियुक्तकरण करने की मांग उठाई है। इस संबंध में मंगलवार को कैट के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेंद्र जैन के नेतृत्व में नगर निगम आयुक्त से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। कैट के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, महामंत्री रामकुमार गोयल एवं सह-महामंत्री दिनेश बंसल ने ज्ञापन में कहा कि वर्तमान में 6 प्रतिशत की छूट के साथ संपत्तिकर जमा करने की समय-सीमा बढ़ाई जाए, जिससे अधिक से अधिक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा सकें। ज्ञापन में गार्वेज शुल्क को लेकर भी व्याप्त भ्रम की स्थिति पर चिंता जताई गई। कैट पदाधिकारियों ने कहा कि विभिन्न अधिकारियों द्वारा अलग-अलग दरों से गार्बेज शुल्क वसूले जाने के कारण आम नागरिकों में असमंजस की स्थिति बन रही है। उन्होंने मांग की कि गार्वेज शुल्क का युक्तियुक्तकरण कर एक समान एवं पारदर्शी दरें निर्धारित की जाएं, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी या अन्याय का सामना न करना पड़े।

पुलिस महानिरीक्षक के निरीक्षण का दूसरा दिन

# पुलिस लाइन में किया संवाद, कर्मचारियों ने बताई समस्याएं तुरंत निराकरण के निर्देश

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) अरविंद कुमार सक्सेना ने मंगलवार को पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। इसमें परेड का निरीक्षण किया और लाइन के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचकर वस्तुस्थिति की जानकारी ली।

इसके बाद पुलिसकर्मियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं, कुछ पुलिसकर्मियों का कहना था कि वह जिन क्वार्टर में रह रहे हैं वह खराब हैं, छत से पानी गिरता है। यहां पर आईजी ने निर्देश दिए कि जिन क्वार्टर में सुधार करवाया जा सकता है उनमें सुधार करवाएं, जो कंडम हैं उन्हें खाली कराया जाए, जवान किराया भत्ता लेकर सुरक्षित स्थानों पर रहें।

### 6 डॉग्स हैं, पर कैनाल नहीं

दरबार में सबसे पहली शिकायत डॉग स्क्वॉड के डॉग मास्टर ने की। उन्होंने बताया कि पुलिस लाइन में वर्तमान में 6 डॉग्स (स्निफर और ट्रेकिंग) तैनात हैं, जो वीआईपी सुरक्षा और क्राइम इन्वेस्टिगेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि इन बेजुबान और मददगार साथियों के रहने के लिए सर्वसुविधायुक्त कैनाल (डॉग शेल्टर) उपलब्ध नहीं है। आईजी ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए रक्षित निरीक्षक को जल्द से जल्द कैनाल निर्माण और व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। एक जवान ने काफी समय से समयमान वेतनमान का लाभ न मिलने की शिकायत की, जिसे आईजी ने तुरंत निराकरण कराने के निर्देश दिए। वहीं एक अन्य जवान ने ड्यूटी के दौरान मिलने वाले टीए (यात्रा भत्ता) का पूरा भुगतान न होने की बात कही। आईजी ने इन दोनों मामलों में वेलफेयर शाखा और संबंधित प्रभारियों को रिकॉर्ड चेक कर समय सीमा में निराकरण करने की हिदायत दी।

### परेड का निरीक्षण कर ली सलामी

इससे पहले, वार्षिक निरीक्षण के तहत सुबह आईजी अरविंद सक्सेना ने एसएसपी धर्मवीर सिंह के साथ पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। उन्होंने सबसे पहले परेड की सलामी ली और जवानों के टर्नआउट व अनुशासन को परखा। इसके बाद आईजी ने पुलिस वाहनों के रख-रखाव को देखा, क्वॉर्टर गार्ड की सुरक्षा व्यवस्था जांची और आरआई कार्यालय के दस्तावेजों का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों को अनुशासन और मुस्तैदी बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए।

## दिल्ली की घटना के विरोध में राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

नई दिल्ली में 11 वर्षीय मासूम बालिका के अपहरण, दुष्कर्म एवं हत्या की घटना के विरोध में सैन्य मातृ शक्ति (अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, मध्यप्रदेश) की महिला पदाधिकारियों एवं सदस्याओं ने मंगलवार को राष्ट्रपति के नाम जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने घटना को मानवता को शर्मसार करने वाला अपराध बताते हुए आरोपी के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि फुटपाथ पर परिवार के साथ सो रही एक मासूम बच्ची का अपहरण कर उसके साथ दरिंदगी की गई और बाद में उसकी हत्या कर दी गई। यह केवल एक बच्ची के खिलाफ अपराध नहीं, बल्कि नारी सम्मान, मानवता और सामाजिक मूल्यों पर सीधा हमला है। सैन्य मातृ शक्ति ने मांग की कि आरोपी के खिलाफ त्वरित एवं निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया अपनाते हुए कठोरतम दंड सुनिश्चित किया जाए।

# घंटों चिकित्सक का इंतजार करते रहे मरीज

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शासकीय अस्पतालों में समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए शासन लगातार निर्देश जारी कर रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर इन निर्देशों का पालन होता नजर नहीं आ रहा। जिसका उदाहरण सिविल अस्पताल हजीरा है, जहां मंगलवार को मरीज घंटों तक चिकित्सक के इंतजार में बैठे रहे। स्थिति यह रही कि दोपहर 12 बजे तक सर्जरी ओपीडी में चिकित्सक नहीं पहुंचे, जिसके कारण कई मरीजों को बिना उपचार के ही वापस लौटना पड़ा। जानकारी के अनुसार शासन द्वारा निर्धारित समय के मुताबिक शासकीय अस्पतालों में ओपीडी सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित की जाती है। लेकिन सिविल अस्पताल हजीरा में मंगलवार को सर्जरी की ओपीडी में कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं थे। अस्पताल पहुंचे मरीजों का कहना था कि वे सुबह 9 बजे से ही डॉक्टर के आने का इंतजार कर रहे थे। सर्जरी विभाग के कक्ष के बाहर मरीजों और उनके परिजनों की लंबी कतार लगी हुई थी, लेकिन दोपहर तक भी चिकित्सक के नहीं पहुंचने से लोगों में नाराजगी देखने को मिली। अस्पताल में मौजूद मरीजों का कहना था कि यह स्थिति नई नहीं है, कई बार चिकित्सकों के देरी से अते हैं।

● दोपहर 12 बजे तक सर्जरी ओपीडी में नहीं पहुंचे चिकित्सक, कई मरीज बिना उपचार लौटे

### शाम की ओपीडी में भी नहीं मिलते चिकित्सक

मरीजों का आरोप है कि अस्पताल की शाम की ओपीडी की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। शाम के समय मरीज तो बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंचते हैं, लेकिन अधिकांश चिकित्सक अपने कक्षों में मौजूद नहीं रहते। कई बार पूरी ओपीडी केवल दो या तीन चिकित्सकों के भरोसे संचालित होती है।

# किसान ने परिवार सहित इच्छा मृत्यु की लगाई गुहार

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित हुई जनसुनवाई में जलभराव और दूषित पेयजल की समस्याएं प्रमुखता से उठीं। एक ओर उटीला क्षेत्र के किसान ने खेत में जलभराव से परेशान होकर परिवार सहित इच्छा मृत्यु की अनुमति मांगी, वहीं मुरार के घोसीपुरा क्षेत्र के रहवासी घरों में आ रहे गंदे और बदबूदार पानी की शिकायत लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। उटीला निवासी किसान चूड़ामणि पाराशर अपने तीन छोटे बच्चों के साथ जनसुनवाई में पहुंचे। उन्होंने आवेदन देकर आरोप लगाया कि गांव के सरपंच द्वारा सरकारी जमीन से पानी निकालकर पाइपलाइन के माध्यम से उनके दो बीघा खेत की ओर मोड़ दिया गया, जिससे खेत पूरी तरह जलमग्न हो गया है। किसान का कहना है कि उसकी आजीविका का एकमात्र साधन यही भूमि है और फसलें नष्ट होने से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई और विरोध करने पर धमकियां भी मिल रही हैं। किसान ने मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने अथवा परिवार सहित इच्छा मृत्यु की अनुमति देने की मांग की।

हजार बिस्तर अस्पताल में स्थापित होगी अतिरिक्त मशीन

# जेएएच को जल्द मिलेगी एमआरआई मशीन, मरीजों का इंतजार होगा खत्म

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

हजार बिस्तर अस्पताल की स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसी क्रम में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को अब एमआरआई जांच के लिए लंबे इंतजार की समस्या से जल्द राहत मिलेगी। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय (जीआरएमसी) प्रबंधन को हजार बिस्तर अस्पताल के लिए नई एमआरआई मशीन जल्द उपलब्ध कराई जाएगी।

जानकारी के अनुसार वर्तमान में जयारोग्य चिकित्सालय समूह के हजार बिस्तर अस्पताल में एमआरआई मशीन उपलब्ध नहीं है। ऐसे में चिकित्सकों द्वारा एमआरआई जांच की सलाह दिए जाने पर मरीजों को सुपर स्पेशलिटी अस्पताल भेजा जाता है। लेकिन वहां पहले से ही मरीजों का अत्यधिक दबाव होने के कारण जांच के लिए एक से दो माह बाद की तारीख मिल रही है। इससे न्यूरोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, ट्रॉमा सहित अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों की बढ़ती संख्या और जांच में हो रही देरी को देखते हुए जीआरएमसी प्रबंधन ने हजार बिस्तर अस्पताल में अतिरिक्त एमआरआई मशीन स्थापित करने का प्रस्ताव शासन को भेजा था। शासन स्तर पर मशीन का ऑर्डर भी जारी कर दिया गया है और जल्द ही इसे अस्पताल को उपलब्ध कराए जाने की संभावना है। अस्पताल में नई मशीन स्थापित होने के बाद एमआरआई जांच की क्षमता में वृद्धि होगी।

### गंभीर मरीजों को सबसे अधिक हो रही परेशानी

एमआरआई जांच कई गंभीर बीमारियों के निदान के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। मस्तिष्क, रीढ़, नसों, जोड़ों और आंतरिक अंगों से जुड़ी जटिल समस्याओं की पहचान के लिए चिकित्सक अक्सर एमआरआई कराने की सलाह देते हैं। वर्तमान व्यवस्था में जांच के लिए लंबा इंतजार होने से मरीजों के उपचार में देरी होती है।

### क्षमता से चार गुना अधिक पहुंच रहे मरीज

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 100 मरीज एमआरआई जांच के लिए पहुंचते हैं, जबकि वर्तमान मशीन से प्रतिदिन केवल 25 से 30 मरीजों की ही जांच हो पाती है। इसके कारण प्रतिदिन लगभग 70 से 75 मरीज वेटिंग सूची में शामिल हो जाते हैं। वेटिंग सूची में ओपीडी के मरीजों के अलावा विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीज भी शामिल रहते हैं। यही कारण है कि कई मरीजों को जांच के लिए एक से दो माह तक इंतजार करना पड़ता है।

### इनका कहना है

एमआरआई मशीन के ऑर्डर हो चुके हैं। मशीन जल्द उपलब्ध होने की संभावना है। मशीन स्थापित होने के बाद मरीजों को जांच के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

**डॉ. आरकेएस धाकड़**
अधिष्ठाता, जीआरएमसी

### जीएसटीएटी में अपील दायर करने की अंतिम तिथि 30 जून से बढ़कर 31 जुलाई हुई

**ग्वालियर।** केंद्र सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय अधिकरण (जीएसटीएटी) में लंबित मामलों के लिए महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी करते हुए अपील एवं आवेदन दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 निर्धारित कर दी है। वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, यह समय-सीमा उन मामलों पर लागू होगी जिनमें अपील योग्य आदेश 1 मई 2026 से पहले संबंधित व्यक्ति को संप्रेषित किए गए हैं। ऐसे मामलों में जीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 112 के अंतर्गत जीएसटीएटी में अपील 31 जुलाई 2026 तक दाखिल की जा सकेगी। इसके अलावा, जिन मामलों में आवेदन योग्य आदेश 1 फरवरी 2026 से पहले पारित किए गए हैं, उनके संबंध में भी आवेदन 31 जुलाई 2026 तक प्रस्तुत किए जा सकेंगे। सरकार ने यह अधिसूचना जीएसटी परिषद की सिफारिशों के आधार पर जारी की है। मध्य प्रदेश टैक्स कंसल्टेंट एसोसिएशन ग्वालियर रीजन के जोनल चैयरमेन पंकज शर्मा ने बताया कि एमपीटीसीए द्वारा जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल प्रेसिडेंट को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा गया था। जिन करदाताओं की अपीलें अब तक लंबित हैं, उन्हें इस अवसर का लाभ उठाते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक दस्तावेजों सहित जीएसटीएटी में अपील दाखिल कर देनी चाहिए, ताकि उनका वैधानिक अधिकार सुरक्षित रह सके।

# विद्यार्थियों के जीवन में सामाजिक विज्ञान का महत्व

**विद्यार्थियों के जीवन में सामाजिक विज्ञान का महत्व बहुत अधिक है। यह विषय केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अंतर्गत इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान और नागरिक शास्त्र जैसे विषय शामिल होते हैं, जो विद्यार्थियों को समाज और देश की वास्तविक स्थिति को समझने में मदद करते हैं। इससे उनमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता विकसित होती है और वे एक जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ते हैं।**

इतिहास का अध्ययन विद्यार्थियों को अतीत की घटनाओं, स्वतंत्रता संग्राम और महान व्यक्तियों के जीवन से परिचित कराता है। इससे उनमें देशभक्ति, आत्मगौरव और प्रेरणा की भावना उत्पन्न होती है तथा वे भविष्य में बेहतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित करते हैं। इसी प्रकार भूगोल के अध्ययन से विद्यार्थी प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण, जलवायु और जैव विविधता के महत्व को समझते हैं, जिससे उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

सामाजिक विज्ञान विद्यार्थियों को विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और धर्मों के बारे में जानकारी देकर उनमें सहिष्णुता, समानता और आपसी सम्मान की भावना विकसित करता है। यह उन्हें विविधता में एकता को समझने और समाज में सौहार्द बनाए रखने की सीख देता है। राजनीति विज्ञान और नागरिक शास्त्र के माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान, कानून, मतदान और लोकतांत्रिक व्यवस्था की जानकारी मिलती है, जिससे वे जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनते हैं।

इसके अलावा, अर्थशास्त्र विद्यार्थियों को धन, बचत, बजट और आर्थिक संसाधनों के सही उपयोग की समझ देता है, जो उनके भविष्य के लिए बहुत उपयोगी होता है। कुल मिलाकर, सामाजिक विज्ञान न केवल ज्ञान बढ़ाता है बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास भी करता है और उन्हें एक अच्छे, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करें।

**मो. आदिल खान**
**शिक्षक**
**केसी हितकारिणी चिल्ड्रेन्स एकेडमी**
**जोन्सगंज, जबलपुर**

# गुप्त कालः स्वर्ण युग की गाथा

**क्या आपने कभी सोचा है कि भारतीय इतिहास में गुप्त काल को स्वर्ण युग क्यों कहा जाता है? क्या उस समय सचमुच सोने की भरमार थी, या फिर यह उपाधि किसी और कारण से दी गई? दरअसल, गुप्त काल वह युग था जब भारत ने शिक्षा, विज्ञान, गणित, साहित्य, कला, व्यापार और शासन व्यवस्था के क्षेत्र में ऐसी अद्भुत प्रगति की, जिसकी गूंज पूरी दुनिया तक पहुँची। यही कारण है कि इतिहासकार इस काल को भारत के सबसे गौरवशाली युगों में गिनते हैं। आइए जानते हैं कि आखिर गुप्त काल को भारत का स्वर्ण युग क्यों कहा जाता है।**

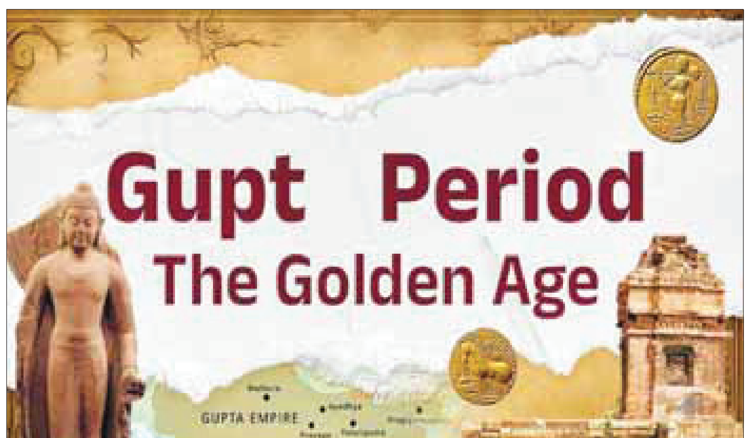


## शक्तिशाली और स्थिर शासन

गुप्त शासकों ने एक मजबूत और सुव्यवस्थित शासन व्यवस्था स्थापित की। उनके शासन में देश में शांति, सुरक्षा और समृद्धि का वातावरण बना, जिससे शिक्षा, व्यापार और संस्कृति को फलने-फूलने का अवसर मिला।

## साहित्य का स्वर्णिम दौर

इस काल में संस्कृत भाषा और साहित्य अपने चरम पर पहुँचे। महान कवि कालिदास ने अभिज्ञानशाकुंतलम मेघदूत और रघुवंश जैसी अमर रचनाएँ लिखीं, जो आज भी विश्व साहित्य की धरोहर मानी जाती हैं।

## गणित और विज्ञान में नई ऊँचाइयाँ

महान गणितज्ञ आर्यभट ने खगोल विज्ञान और गणित में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दशमलव प्रणाली, ग्रहों की गति और पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने जैसे विचारों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पहचान दिलाई।

## शिक्षा का उत्कर्ष

इस काल में शिक्षा को विशेष महत्व मिला। नालंदा जैसे महान शिक्षा केंद्रों में भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे। ज्ञान और शोध की समृद्ध परंपरा ने भारत को विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ाया।

कला और स्थापत्य का विकास

गुप्त काल में मंदिर निर्माण, मूर्तिकला और चित्रकला ने नई ऊँचाइयाँ हासिल कीं। इस समय बनी कलाकृतियाँ आज भी भारतीय कला की उत्कृष्ट मिसाल मानी जाती हैं।

## आर्थिक समृद्धि और व्यापार

कृषि, उद्योग और व्यापार के विकास से देश आर्थिक रूप से मजबूत हुआ। विदेशी व्यापार बढ़ा और सोने के सुंदर सिक्कों का प्रचलन इस समृद्धि का प्रमाण माना जाता है।

## धार्मिक सहिष्णुता

गुप्त शासकों ने विभिन्न धर्मों के प्रति सम्मान का भाव रखा। इससे समाज में शांति और सांस्कृतिक विकास का वातावरण बना। यह समृद्धि समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से पहुँची।

# मंगल पांडेः स्वतंत्रता की पहली चिंगारी

जब भी भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857) की चर्चा होती है, तो सबसे पहले जिस महान क्रांतिकारी का नाम लिया जाता है, वह है मंगल पांडे। उन्हें भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का प्रथम क्रांतिकारी और 1857 की क्रांति का अग्रदूत माना जाता है। मंगल पांडे केवल एक सैनिक नहीं थे, बल्कि वे साहस, आत्मसम्मान और देशभक्ति के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर अंग्रेजी शासन को चुनौती दी और पूरे देश में स्वतंत्रता की अलख जगाई। उनका बलिदान भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है।

## प्रारंभिक जीवन

मंगल पांडे का जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के नगवा गाँव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। बचपन से ही वे साहसी, अनुशासित और स्वाभिमानी स्वभाव के थे। युवावस्था में वे ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए। मंगल पांडे 34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री में कार्यरत थे। उस समय भारतीय सैनिकों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता था। उन्हें कम वेतन, कठिन परिस्थितियों और अपमानजनक व्यवहार का सामना करना पड़ता था, जिससे सैनिकों में असंतोष बढ़ता जा रहा था।

## विद्रोह का कारण

1857 में अंग्रेजों द्वारा नई एनफील्ड राइफल को सेना में शामिल किया गया। इसके कारतूसों को दाँतों से खोलना पड़ता था। यह अफवाह फैली कि इन कारतूसों पर गाय और सूअर की चर्बी लगी होती है। हिंदू सैनिकों के लिए गाय पवित्र थी, जबकि मुस्लिम सैनिकों के लिए सूअर अपवित्र माना जाता था। इस कारण दोनों समुदायों की धार्मिक भावनाएँ आहत हुईं और सेना में व्यापक आक्रोश फैल गया।

## विद्रोह की चिंगारी

29 मार्च 1857 को बैरकपुर छावनी में मंगल पांडे ने अंग्रेज अधिकारियों के विरुद्ध न केवल विरोध किया, बल्कि अन्य भारतीय सैनिकों को भी अंग्रेजी शासन के खिलाफ उठ खड़े होने के लिए प्रेरित किया। यद्यपि उस समय अधिकांश सैनिक उनका खुलकर साथ नहीं दे सके, लेकिन उनके इस साहसिक कदम ने पूरे देश में विद्रोह की ज्वाला प्रज्वलित कर दी।

## गिरफ्तारी और बलिदान

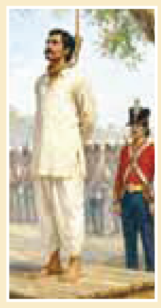

विद्रोह के बाद मंगल पांडे को गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर मुकदमा चलाया गया और 8 अप्रैल 1857 को मात्र 29 वर्ष की आयु में उन्हें फाँसी दे दी गई। उनका बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की पहली और सबसे प्रेरणादायक कड़ी बन गया।

# बरगी बांध, सिंचाई, बिजली, पेयजल और पर्यटन का अनोखा संगम

**मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में स्थित बरगी बांध नर्मदा नदी पर बना राज्य का पहला प्रमुख बहुउद्देशीय बांध है। इसका निर्माण सिंचाई, जलविद्युत उत्पादन, पेयजल आपूर्ति और बाढ़ नियंत्रण जैसे उद्देश्यों से किया गया था। बरगी बांध न केवल मध्य प्रदेश की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय है, बल्कि आज यह पर्यटन का भी आकर्षक केंद्र बन चुका है।**

***निर्माण और इतिहास***- बरगी बांध का निर्माण नर्मदा घाटी परियोजना के अंतर्गत किया गया। इसका निर्माण कार्य 1974 में प्रारंभ हुआ और वर्ष 1990 में इसे राष्ट्र को समर्पित किया गया। यह नर्मदा नदी पर बनने वाला पहला बड़ा बांध था, जिसने आगे की कई परियोजनाओं की नींव रखी।

## सिंचाई का प्रमुख साधन

बरगी बांध से मध्य प्रदेश के हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा प्राप्त होती है। इससे किसानों की वर्षा पर निर्भरता कम हुई है और कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह परियोजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

## जलविद्युत उत्पादन में योगदान

इस बांध के माध्यम से जलविद्युत ऊर्जा का उत्पादन किया जाता है, जिससे राज्य की बिजली आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता मिलती है। यह ऊर्जा उत्पादन का एक स्वच्छ और नवीकरणीय स्रोत है, जो विकास के साथ पर्यावरण संतुलन को भी बनाए रखता है।

## पेयजल आपूर्ति का महत्वपूर्ण स्रोत

बरगी बांध जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों के लिए पेयजल का प्रमुख स्रोत है। इसके जल से लाखों लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होता है, जिससे शहरी जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है।

## मत्स्य पालन और रोजगार

इस विशाल जलाशय में मत्स्य पालन बड़े पैमाने पर किया जाता है। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार और आय के नए अवसर प्राप्त हुए हैं। यह क्षेत्र आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है।

## पर्यटन का आकर्षण केंद्र

बरगी बांध का शांत जल, प्राकृतिक दृश्य और नौकायन (क्रूज़) की सुविधा इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनाते हैं। यह केवल एक इंजीनियरिंग संरचना नहीं, बल्कि विकास और प्रकृति के संतुलन का उत्कृष्ट उदाहरण है। साथ ही यह हमें यह भी सिखाता है कि प्रगति के साथ पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी का ध्यान रखना भी आवश्यक है।

# पर्यावरण का अदृश्य दुश्मन, कार्बन फुटप्रिंट

**क्या आपने कभी सोचा है कि जब हम बाइक या कार चलाते हैं, बिजली का उपयोग करते हैं, एयर कंडीशनर चलाते हैं या ऑनलाइन कोई सामान मंगवाते हैं, तो इसका पर्यावरण पर क्या असर पड़ता है? हमारे हर छोटे-बड़े काम से वातावरण में कुछ मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं। इन गैसों की कुल मात्रा को ही कार्बन फुटप्रिंट कहा जाता है।**

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में कार्बन फुटप्रिंट को समझना और उसे कम करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

***कार्बन फुटप्रिंट क्या होता है***- कार्बन फुटप्रिंट से आशय उस कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से है, जो किसी व्यक्ति, परिवार, संस्था, उद्योग, उत्पाद या देश की गतिविधियों के कारण वातावरण में पहुँचता है। इसे सामान्यतः कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य में मापा जाता है। सरल शब्दों में, हमारे जीवन का पर्यावरण पर पड़ने वाला कार्बन प्रभाव ही कार्बन फुटप्रिंट कहलाता है।

***कैसे बढ़ता है कार्बन फुटप्रिंट*** - हमारी कई सामान्य गतिविधियाँ कार्बन उत्सर्जन बढ़ाती हैं, जैसे कि पेट्रोल और डीज़ल से चलने वाले वाहनों का उपयोग, बिजली की अधिक खपत, विशेषकर जब बिजली कोयले से बनती हो। एयर कंडीशनर और अन्य ऊर्जा-खपत वाले उपकरणों का अत्यधिक उपयोग। प्लास्टिक और एक बार इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं का अधिक प्रयोग। उद्योगों और कारखानों से निकलने वाला जहरीला धुआँ। लगातार वन क्षेत्रों की कटाई, इन सबकी वजह से पर्यावरण में कार्बन फुटप्रिंट तेजी से बढ़ता है।

## कार्बन फुटप्रिंट का पर्यावरण पर प्रभाव

यदि कार्बन फुटप्रिंट लगातार बढ़ता रहे, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं, पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ने लगता है, परिणामस्वरूप ग्लेशियरों का तेजी से पिघलते हैं। समुद्र के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो सकती है। सूखा, बाढ़ और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि हो सकती है। जैव विविधता और वन्यजीवों को नुकसान हो सकता है। मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

## कार्बन फुटप्रिंट कैसे कम करें?

हर व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर बड़ा बदलाव ला सकता है। कार्बन फुटप्रिंट कम करने विद्यार्थी क्या कर सकते हैं?

- स्कूल साइकिल से या पैदल जाएँ (यदि संभव हो)।
- पानी और बिजली की बचत करें।
- पेड़ लगाएँ और उनकी देखभाल करें।
- प्लास्टिक की बोतलों और डिस्पोज़ेबल वस्तुओं का कम उपयोग करें।
- जूट या कपड़े की थैली का उपयोग करें।

# रोचक तथ्य

- भारत दुनिया के 17 मेगा-बायोडायवर्स देशों में शामिल है, जहाँ हजारों प्रकार के पौधे और जीव-जंतु पाए जाते हैं।
- भारत का लगभग 24 प्रतिषत भू-भाग वन क्षेत्र से आच्छादित है।
- भारत में लगभग 75 राष्ट्रीय उद्यान और 500 से अधिक वन्यजीव अभयारण्य हैं।
- सुंदरवन दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन है और यहाँ बाघ भी पाए जाते हैं।
- गिर नेशनल पार्क दुनिया का एकमात्र प्राकृतिक आवास है जहाँ एशियाई शेर पाए जाते हैं।
- भारत में लगभग 1,300 से अधिक पक्षी प्रजातियाँ और 400 से अधिक स्तनधारी प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
- भारत में लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी समुद्री तटरेखा है, जो अनेक समुद्री जीवों का घर है।
- केरल के पालक्कड स्थित साइलेंट वैली नेशनल पार्क अपने प्राचीन वर्षावनों और दुर्लभ जीव-जंतुओं के लिए प्रसिद्ध है।
- भारत में वृक्षों की पूजा की परंपरा सदियों पुरानी है। बरगद और नीम जैसे वृक्ष धार्मिक ही नहीं, पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

फीफा विश्व कप 2026
राउंड ऑफ 32
2 जुलाई | 01:30 बजे (भारतीय समय)
बेल्जियम बनाम सेनेगल
सिएटल स्टेडियम, अमेरिका

10 ◂ फीफा रैंक ▸ 18
कुल आमने-सामने
एक दूसरे के खिलाफ पहले कभी नहीं खेले

फीफा विश्व कप 2026
राउंड ऑफ 32
2 जुलाई | प्रातः 5:30 बजे (भारतीय समय)
अमेरिका बनाम बोस्निया और हर्जेगोविना
सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम, अमेरिका

15 ◂ फीफा रैंक ▸ 61
कुल आमने-सामने
अमेरिका जीताः 2
बोस्निया और हर्जेगोविना जीताः 0
ड्रॉः 1

पैराग्वे और मोरक्को पेनल्टी शूटआउट में जीते, मार्टिनेली के गोल से ब्राजील अंतिम-16 में पहुंचा

# चार बार की विजेता जर्मनी विश्व कप से बाहर

एजेंसी, लॉस एंजिल्स

फुटबॉल वर्ल्ड कप में मंगलवार को बड़ा उलटफेर हुआ। पैराग्वे ने चार बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर बाहर कर दिया। जर्मनी टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार पेनल्टी में हारी है। इससे पहले 5 बार की चैंपियन ब्राजील ने रोमांचक मुकाबले में जापान को 2-1 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह जीत 1958 में स्वीडन में जीते उसके पहले वर्ल्ड कप की सालगिरह के दिन आई। टीम 20वीं बार राउंड ऑफ-16 में पहुंची है। एक अन्य मुकाबले में मोरक्को ने नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराया। ब्राजील अब राउंड ऑफ-16 में आइवरी कोस्ट या नॉर्वे से भिड़ेगा, जबकि पैराग्वे का मुकाबला फ्रांस और स्वीडन के विजेता से होगा। मोरक्को का मैच 4 जुलाई को कनाडा से होगा।

### अब फ्रांस या स्वीडन से होगा मुकाबला

पैराग्वे अब राउंड ऑफ-16 में फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से भिड़ेगा। यदि वह अगला मैच भी जीतता है तो क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर जाएगा।

### हर प्लेयर का विश्लेषण किया

मैच के बाद ऑरलैंडो गिल ने कहा, 'हमने हर खिलाड़ी और हर छोटी बात का विश्लेषण किया था। उसी की बदौलत मैं सिर्फ दो पेनल्टी मिस होने दे पाया। यह जीत पैराग्वे के सभी लोगों के लिए है।' जोस कैनाले ने कहा, 'हमने साबित कर दिया कि हमारी टीम कितनी एकजुट है। आज हमें अपना असली खेल दिखाना था।' काई हैवर्ट्ज ने हार के बाद कहा, फिर से निराश होना बहुत मुश्किल है।

### वीडियो रिव्यू ने छीनी जर्मनी की बढ़त

पैराग्वे ने 42वें मिनट में बढ़त बनाई। मिगेल अल्मिरोन के पास पर मातियास गालार्सा ने क्रॉस किया, जिस पर जूलियो एनसिसो ने हेडर से गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। जर्मनी ने 52वें मिनट में वापसी की। फ्लोरियन विट्र्ज के क्रॉस पर काई हैवर्ट्ज ने हेडर से बराबरी का गोल किया। अतिरिक्त समय के 102वें मिनट में जोनाथन ताह ने कॉर्नर पर गोल किया, लेकिन वीडियो रिव्यू में वाल्डेमार एंटोन द्वारा गोलकीपर ऑरलैंडो गिल को धक्का देने की पुष्टि होने पर गोल रद्द कर दिया गया।

### जर्मनी से लिया 24 साल पुराना बदला

विश्व कप में दोनों टीमों की पिछली भिड़ंत 2002 में हुई थी, जहां जर्मनी ने पैराग्वे को 1-0 से हराया था। लगभग 24 साल बाद पैराग्वे ने उसी हार का बदला लेते हुए जर्मनी को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

### गोलकीपर ऑरलैंडो गिल बने हीरो

पेनल्टी शूटआउट में गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने दो अहम बचाव किए, जबकि जोस कैनाले ने सडन डेथ में निर्णायक पेनल्टी गोल कर पैराग्वे को 4-3 से यादगार जीत दिलाई। जीत के बाद गिल ने कहा, हमने हर खिलाड़ी और हर छोटी-बड़ी चीज का विश्लेषण किया था। उसी तैयारी की बदौलत मैं सिर्फ दो पेनल्टी ही गोल होने दे पाया।

### मैच में खास

- यह जर्मनी और पैराग्वे का वर्ल्ड कप में दूसरा मुकाबला था। 2002 में जर्मनी ने 1-0 से जीत दर्ज की थी। अब लगभग 24 साल बाद पैराग्वे ने उस हार का बदला ले लिया।
- पैराग्वे इससे पहले पांच नॉकआउट मुकाबलों में गोल नहीं कर पाया था। 2010 में उसने जापान को पेनल्टी शूटआउट में हराकर पहली बार नॉकआउट मैच जीता था।
- जर्मनी 2014 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद पहली बार नॉकआउट मैच खेल रहा था। पिछली दो बार वह ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया था। जर्मनी ने पैराग्वे को 1-0 से हराया था।

## ब्राजील ने इंजरी टाइम में जापान से जीत छीनी

जापान ने 29वें मिनट में बढ़त बनाई। काइशू सानो ने मिडफील्ड में ब्राजील की गलत पासिंग का फायदा उठाकर दूर से दाएं पैर से शानदार गोल किया। ब्राजील ने 56वें मिनट में बराबरी की। गैब्रियल मागाल्हाइस के असिस्ट पर कैसेमीरो ने हेडर से गोल किया। इससे 2 मिनट पहले उनका हेडर जापान के गोलकीपर जियोन सुजुकी ने रोक लिया था। 58वें मिनट में विनीसियस जूनियर के पास बढ़त दिलाने का मौका था, लेकिन सुजुकी ने उनका शॉट डिफ्लेक्ट कर दिया और गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर चली गई। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने दूसरे हाफ में गैब्रियल मार्टिनेली को उतारा। उन्होंने इंजरी टाइम के छठे मिनट में विजयी गोल कर टीम को 2-1 से जीत दिला दी।

### मैच में खास

- जापान अब तक वर्ल्ड कप नॉकआउट में कोई मुकाबला नहीं जीत पाया। 2018 और 2022 की तरह इस बार भी टीम बढ़त लेने के बावजूद हार गई।
- जापान की टीम लगातार 10 जीत के बाद हारी। उसे इंटरनेशनल फुटबॉल में पिछली हार सितंबर में अमेरिका से मिली थी।
- ब्राजील की जापान पर यह 15 मुकाबलों में 12वीं जीत रही। दोनों टीमों के बीच दो मुकाबले ड्रॉ रहे, जबकि जापान को श्रृंखला में अब तक सिर्फ एक जीत मिली।

### एंसेलोटी बोले- हमारा टारगेट टॉप लेवल फुटबॉल खेलना है

हम मैदान पर नई ऊर्जा लाना चाहते थे, क्योंकि मार्टिनेली काफी तीव्रता से खेलते हैं। जब भी वह मैदान पर उतरते हैं, अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हम अच्छा खेल रहे हैं, लेकिन हमें इससे संतुष्ट नहीं होना चाहिए। हमारा लक्ष्य सबसे ऊंचे स्तर का फुटबॉल खेलना है।' पहले गोल के बाद एंसेलोटी ने अपनी टीम की वापसी की तारीफ करते हुए कहा, 'गलतियां हर टीम से होती हैं, लेकिन उनसे उबरना जरूरी है। दूसरे हाफ में टीम ने यही किया।' कैसेमीरो दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के पहले मिनट में पैर की चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए। मैच के बाद उनकी चोट की गंभीरता की जानकारी नहीं दी गई। ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार इस मुकाबले में नहीं खेले। वे पिछले मैच में सिर्फ 14 मिनट खेले थे। एंसेलोटी ने कहा कि उन्हें उतारने पर विचार किया गया था, लेकिन जरूरत नहीं पड़ी।

## मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को किया बाहर

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मोरक्को ने रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। निर्धारित 90 मिनट और अतिरिक्त समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद गोलकीपर यासीन बोनू की शानदार बचाव और इस्माइल सैबारी के निर्णायक गोल ने मोरक्को को यादगार जीत दिला दी।

### गाकपो ने दिलाई बढ़त, डियोप ने बराबरी कराई

मुकाबले में पहला गोल नीदरलैंड की ओर से कोडी गाकपो ने 72वें मिनट में किया। क्रिसेंसियो समरविले के शानदार पास पर गाकपो ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। गोल के बाद डच खिलाड़ी जश्न मनाने मैदान पर दौड़ पड़े और भावुक गाकपो को गले लगाया। जिसके कारण यह गोल उनके लिए बेहद भावनात्मक पल बन गया।

### अतिरिक्त समय में नहीं निकला नतीजा

30 मिनट के अतिरिक्त समय में दोनों टीमों ने कई प्रयास किए, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। इसके बाद मुकाबले का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। यह फीफा वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा मुकाबला रहा, जिसका नतीजा पेनल्टी शूटआउट से निकला। इससे पहले पराग्वे ने जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

### पेनल्टी शूटआउट में मोरक्को ने मारी बाजी

मैक्सिको के एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चार राउंड के बाद पेनल्टी शूटआउट का स्कोर 2-2 से बराबर था। ऐसे में मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनू ने नीदरलैंड के क्रिसेंसियो समरविले की पेनल्टी को शानदार अंदाज में रोक दिया। इसके बाद इस्माइल सैबारी ने दबाव में शानदार शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के निचले बाएं कोने में पहुंचाया और मोरक्को को 3-2 से जीत दिला दी।

## मूनी के अर्धशतक, गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से आस्ट्रेलिया 8वीं बार फाइनल में

एजेंसी, लंदन

अपने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और बेथ मूनी के 36 गेंद में नाबाद 61 रन की मदद से मौजूदा चैम्पियन आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराकर मंगलवार को महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए आस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को सात विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। जवाब में मूनी और एशले गार्डनर (20 गेंद में 35) की आक्रामक पारियों के दम पर सात ओवर बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। मूनी ने 36 गेंद में आठ चौकों की मदद से नाबाद 61 रन बनाये जबकि गार्डनर ने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। इससे पहले जॉर्जिया वोल (16) और फीबी लिचफील्ड (चार) सस्ते में आउट हो गई थी जबकि एलिसे पैरी चोट लगने के बाद दो के स्कोर पर 'रिटायर्ड हर्ट' होकर लौट गई। मूनी और गार्डनर ने हालांकि आस्ट्रेलिया का महिला क्रिकेट में दबदबा कायम रखते हुए एक और फाइनल में पहुंचाया जहां रविवार को उनका सामना दक्षिण अफ्रीका या इंग्लैंड से होगा। इससे पहले वेस्टइंडीज की शुरूआत काफी खराब रही और 11वें ओवर में सिर्फ 59 के स्कोर पर उसके चार विकेट गिर चुके थे। कप्तान हीली मैथ्यूज (28 गेंद में 30 रन) और शेमेइन कैंपबेल (25 गेंद में 22) को छोड़कर कोई बल्लेबाज टिककर खेल नहीं सकी।

1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी की; 39 साल के जोकोविच की जीत से शुरुआत

## विंबलडन के पहले दिन डिफेंडिंग चैंपियन सिनर हारने से बचे

एजेंसी, लंदन

लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब में टेनिस के सबसे पुराने टूर्नामेंट विंबलडन की शुरुआत हो गई है। पहले दिन सोमवार को डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी मियोमिर केकमानोविच के खिलाफ 1-2 से पिछड़ने के बाद लगातार दो सेट जीतकर मुकाबला जीत गए। चौथे सेट के दौरान सिनर के जूते से खून बाहर आने लगा था। मैच के बाद उन्होंने बताया कि उनके पैर के अंगूठे का नाखून उखड़ गया था, लेकिन वे दर्द के बावजूद खेलते रहे। एक समय ऐसा लग रहा था कि उन्हें रिटायर हर्ट होना पड़ेगा। लेकिन, इटैलियन स्टार ने हार नहीं मानी और जीत हासिल की।

### जोकोविच ने चीन के खिलाड़ी को हराया

25वें ग्रैंड स्लैम खिताब के साथ नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश में जुटे सर्बिया के 39 साल के नोवाक जोकोविच ने चीन के वू यिबिंग को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। हालांकि, जीत के लिए उन्हें चार सेट तक खेलना पड़ा। जोकोविच फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से हारने के बाद पहली बार कोर्ट पर उतरे थे। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'आज का मैच मेरे लिए वाकई चुनौतीपूर्ण था। मैं जीत से खुश हूं, लेकिन पूरी तरह तरोताजा महसूस नहीं कर रहा हूं। सच कहूं तो कोर्ट पर ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि यह टूर्नामेंट का पहला ही दौर है।

### नाओमी ओसाका का 'किमोनो' लुक

चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका ने मैच जीतने के साथ-साथ फैंस का दिल भी जीता। विंबलडन के सख्त नियम (सिर्फ सफेद कपड़े पहनने की अनुमति) के बीच ओसाका पारंपरिक जापानी पोशाक 'किमोनो' स्टाइल की सफेद ड्रेस पहनकर कोर्ट पहुंचीं। कोर्ट की ओर जाते समय उनके इस फैशन स्टेटमेंट ने लोगों का ध्यान खींचा। ओसाका ने फ्रांस की एल्सा जैकमोट को 6-1, 7-5 से आसानी से मात दी।

### ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड खिताबी दावेदार

**लंदन।** विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल की टीमें तय हो चुकी हैं। इस बड़े टूर्नामेंट में जीत हासिल करने के लिए परिस्थितियों के अनुसार ढलना सबसे महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि टीमों को बिना किसी अभ्यास समय के एक शहर से दूसरे शहर (जैसे साउथम्प्टन से लीड्स और मैनचेस्टर से लॉर्ड्स) का सफर तय करना पड़ा है। आईसीसी विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप एक्सपर्ट इयान बिशप ने कहा, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड वर्तमान में टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमें दिख रही हैं। हालांकि नॉकआउट स्टेज में किसी भी टीम को कमजोर नहीं माना जा सकता।

टेस्ट इतिहास की उनकी सबसे बड़ी जीत; मुजारबानी, नगरावा और न्यामहुरी ने 17 विकेट लिए

## जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को पारी और 85 रन से हराया

एजेंसी, हरारे

जिम्बाब्वे ने हरारे में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में बांग्लादेश को पारी और 85 रन से हरा दिया। जिम्बाब्वे ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। बांग्लादेश की टीम दूसरी पारी में महज 185 रनों पर सिमट गई और मैच तीसरे दिन ही खत्म हो गया। जिम्बाब्वे की जीत में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा। ब्लेसिंग मुजरबानी, रिचर्ड नगरावा और न्यूमैन न्यामहुरी की तिकड़ी ने कुल 17 विकेट लिए। बांग्लादेश ने पहली पारी में 140 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे ने 410 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। दूसरी पारी में बांग्लादेश की टीम 185 रन पर सिमट गई।

### पहली पारी में ही तय हो गई थी जिम्बाब्वे की जीत

जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने मैच के पहले ही दिन बांग्लादेश को सिर्फ 140 रनों पर समेटकर मैच पर अपनी पकड़ बना ली थी। पहली पारी में न्यामहुरी ने अपने करियर का बेस्ट प्रदर्शन करते हुए 61 रन देकर 4 विकेट लिए थे, जबकि नगरावा, मुजरबानी और इवांस को 2-2 विकेट मिले थे।

### दूसरे सेशन में मुजरबानी और नगरावा का कहर

लंच के बाद मुजरबानी ने तौहीद हृदोय को तीसरी स्लिप में कैच कराकर अपना चौथा विकेट लिया। इसके बाद डेब्यू कर रहे अमिते हसन और तैजुल इस्लाम ने संभलकर खेलते हुए तेजी से रन बनाए और 34 रन की साझेदारी की। हालांकि, इवांस ने शॉर्ट बॉल पर तैजुल को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

वर्ल्डकप हारने वाली दो खिलाड़ी बाहर, मंधाना को उपकप्तान बनाया

## एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित, हरमनप्रीत कप्तान

एजेंसी, मुंबई

अगले महीने जापान में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। सिलेक्टर्स ने हरमनप्रीत कौर को ही कप्तान और स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया है। विकेटकीपर यास्तिका भाटिया की जगह जी. कमलिनी को टीम में शामिल किया गया है, जबकि प्रेमा राउत को बाहर कर दिया गया है। वहीं, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर चयनकर्ताओं ने भरोसा बरकरार रखा है।

### श्रेयंका पाटिल फिट, प्रेमा को मौका नहीं

स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को फिटनेस क्लीयरेंस मिलने के बाद टीम में जगह दी गई है। वे टी-20 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के खिलाफ टखने में चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं।

### एशियन गेम्स टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे मुकाबले

एशियन गेम्स में क्रिकेट इवेंट टी20 फॉर्मेट में आयोजित किया जाएगा। आईसीसी रैंकिंग में टॉप टीमों में शामिल होने के कारण भारतीय महिला टीम को सीधे क्वार्टर फाइनल या नॉकआउट स्टेज में एंट्री मिलने की उम्मीद है। पिछली बार की तरह इस बार भी भारतीय टीम का मुख्य मुकाबला पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसी एशियाई टीमों से होने की उम्मीद है।

# पिता का दोस्त बताकर 9 साल की बच्ची को बाइक से किया किडनैप,कई जगह घुमाया, छोड़कर फरार

## कुछ घंटे बाद अरेरा हिल्स में मिली मासूम, राहगीर ने डायल-112 पर दी पुलिस को सूचना

भोपाल (नगर संवाददाता)

अशोका गार्डन इलाके में मंगलवार सुबह नौ साल की एक छात्रा का दिनदहाड़े अपहरण कर लिया गया। आरोपी ने खुद को बच्ची के पिता का दोस्त बताया और स्कूल छोड़ने का भरोसा दिलाकर उसे बाइक पर बैठा लिया। इसके बाद वह आइसक्रीम खिलाने का लालच देकर शहर में कई जगह घुमाता रहा। कुछ घंटे बाद आरोपी बच्ची को अरेरा हिल्स स्थित मेरियट होटल के पीछे ठंडी सड़क पर छोड़कर फरार हुआ।

राहगीर की सूचना पर डायल-112 पुलिस ने बच्ची को सुरक्षित बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, न्यू सुभाष कॉलोनी डी-सेक्टर निवासी नौ वर्षीय बच्ची चौथी कक्षा की छात्रा है। मंगलवार सुबह वह रोज की तरह मंदिर में जल चढ़ाने गई थी। लौटते समय एक युवक बाइक लेकर उसके पास पहुंचा और खुद को उसके पिता का परिचित बताया। उसने कहा कि वह उसे स्कूल छोड़ देगा। बच्ची उसकी बातों में आ गई और बाइक पर बैठ गई। इसके बाद आरोपी उसे अपने साथ ले गया। घर नहीं लौटने पर परिजनों ने पहले आसपास तलाश की, लेकिन कहीं पता नहीं चलने पर इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी। फुटेज में बच्ची एक बाइक पर युवक के साथ जाती दिखाई दी। इसके बाद अशोका गार्डन थाना पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस ने तत्काल शहरभर में अलर्ट जारी कर जांच शुरू कर दी। बच्ची ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उसे आइसक्रीम खिलाने की बात कही थी। इसी बहाने वह उसे अलग-अलग इलाकों में घुमाता रहा। बाद में अरेरा हिल्स के ठंडी सड़क इलाके में छोड़कर भाग निकला। वहां अकेली बच्ची को देखकर एक राहगीर ने डायल-112 पर सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को सुरक्षित थाने ले आई, जहां महिला अधिकारी से उससे सभी एंगल पर जांच कर रही है।

### सीसीटीवी फुटेज में दिख रही बाइक, पुलिस आरोपी की पहचान करने में जुटी

पुलिस का कहना है कि शुरुआती पूछताछ में बच्ची ने किसी तरह की मारपीट या अन्य आपराधिक हरकत की जानकारी नहीं दी है। हालांकि पूरे घटनाक्रम की गंभीरता से जांच की जा रही है। घटनास्थल और आरोपी के संभावित रूट के सीसीटीवी फुटेज जुटाए जा रहे हैं। जिस बाइक पर आरोपी बच्ची को ले गया था, उसके फुटेज पुलिस को मिले हैं, लेकिन वाहन का नंबर स्पष्ट नहीं दिख रहा है। पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान कर उसकी तलाश में जुटी है।

संचालनालय में कर्मचारियों की ई-अटेंडेंस में व्यावहारिक व तकनीकी परेशानी

# एप में कर्मचारियों का कॉलम ही नहीं,डाउनलोड होने में भी दिक्कत

### कल से व्यवस्था अनिवार्य, अफसरों ने कहा आकर बताएं अपनी समस्या

भोपाल (नगर संवाददाता)

स्कूल शिक्षा विभाग ने टीचरों के साथ-साथ अपने राज्य से लेकर ब्लॉक कार्यालय तक कर्मचारियों अधिकारियों की ऑनलाइन अटेंडेंस अनिवार्य तो कर दी है, लेकिन इसमें बड़ी व्यावहारिक और तकनीकी खामी सामने आ रही है। कर्मियों की माने तो 3.0 पोर्टल पर जो हमारे शिक्षक एप तैयार किया गया है, उसमें कार्यालयीन कर्मचारियों का कोई कॉलम नहीं आ रहा है, जबकि गुरुवार से अटेंडेंस लगानी है। पिछले साल हमारे शिक्षक एप बना था। इसी पर सिर्फ टीचरों की अटेंडेंस मेंडेटरी थी। इस साल विभाग ने सभी अधिकारियों से लेकर तृतीय और चतुर्थ के कर्मियों के लिए भी व्यवस्था शुरू कर दी है। अब इसमें बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि कर्मचारियों के मोबाइल पर यह लोड नहीं हो रहा है। कर्मचारियों को कहना है कि यह एक सिर्फ शिक्षकों के लिए बनाया गया था। उसको खोलो तो शिक्षकों को डाटा मिलता है कर्मचारी का वहां पर कोई कालम नहीं है। जबकि गुरुवार 1 जुलाई से सभी के लिए अटेंडेंस लगाना सुनिश्चित किया गया है।

### चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की मुसीबत

लोक शिक्षण और राज्य शिक्षा केंद्र में 70 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। इनमें से 50 ऐसे कर्मचारी हैं जिनके पास एंड्रॉइड मोबाइल नहीं है। इन कर्मचारियों का कहना है कि वे कैसे अपनी हाजिरी लगा सकते हैं। शाखाओं में अधिकारियों को भी यह पीड़ा बताई गई।

**एप्पल के मोबाइल में एप नहीं कर रहा सहयोग:** राज्य शिक्षा केंद्र में चार दिन पहले हमारे शिक्षक एक पर हाजिरी लगाने के लिए कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी गई थी, लेकिन यहां 20 ऐसे अधिकारी कर्मचारी है जिनके पास एप्पल का मोबाइल फोन है। इनके मोबाइल पर यह एप डाउनलोड नहीं हो रहा है।

**शिक्षक और उनके काम में बड़ा अंतर :** लोक शिक्षण में कर्मचारियों का कहना कि शिक्षकों और उनके काम में बड़ा अंतर है। शिक्षक के दो पारियों में स्कूल लगते हैं, जबकि मुख्यालय में कर्मचारियों का समय 10:30 से 5:30 बजे तक है। शिक्षकों के साथ यह व्यवस्था अनिवार्य तो की गई है लेकिन विभाग ने यह नहीं देखा कि काम में कितनी भिन्नता है।

### इनका कहना

ऑनलाइन अटेंडेंस सभी के लिए अनिवार्य है। अगर कर्मचारियों को कोई दिक्कत है तो वह आकर व्यक्तिगत रूप से बताएं। उसका तत्काल समाधान होगा, लेकिन अटेंडेंस सभी को लगानी होगी।

■ **केके द्विवेदी,** डायरेक्टर, लोक शिक्षण सचालनालय

संचालनालय में ऑनलाइन अटेंडेंस लगाना कहीं से भी व्यावहारिक नहीं है। विभाग को इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। खासकर तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए यह परेशानी भरी व्यवस्था है।

■ **संजय अवस्थी,** प्रदेश मंत्री, मप्र राज्य कर्मचारी संघ

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जुलाई महीने के लिए जारी किया पूर्वानुमान

# अलनीनो का दंश : देश के अधिकतर हिस्सों में जुलाई में कम होगी बारिश

■ इंदौर, सागर और सीधी से गुजर रही बारिश के लिए जरूरी मानसून ट्रफ

भोपाल (नगर संवाददाता)

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने मंगलवार को जारी पूर्वानुमान में कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून सीजन के दौरान अल-नीनो की स्थिति और मजबूत होने की पूरी संभावना है। इसके साथ-साथ मौसमी की दूसरी दशाएं भी बारिश के लिए खास अनुकूल नहीं है। जुलाई में बारिश का पूर्वानुमान जारी किया है।

पूर्वानुमान के अनुसार देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है। हालांकि उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व भारत, पूर्वी-मध्य भारत और पूर्वी प्रायद्वीपीय क्षेत्र के कुछ इलाकों में सामान्य से अधिक बारिश होने की उम्मीद है।

आइएमडी के अनुसार भारत के ज्यादातर हिस्सों हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा रहने की उम्मीद है। केवल पश्चिम-मध्य भारत की कुछ अलग-थलग जगहों पर उच्चतम तापमान सामान्य से कम रह सकता है। वहीं देश में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का पूर्वानुमान जारी किया गया है। जुलाई में कम बारिश के आसार भयावह हैं। यह देखते हुए कि देश के अधिकतर हिस्से में जून में भी सामान्य से काफी कम बारिश हुई है।

तात्कालिक तौर पर अच्छी खबर ये है कि अलनीनो जैसी वैश्विक मौसमीय चुनौती के बावजूद भारतीय मानसून मध्यप्रदेश में मंगलवार से पूरे जोश के साथ सक्रिय हो गया है। लंबे इंतजार के बाद मानसूनी बादलों ने मध्य प्रदेश सहित देश के कई हिस्सों में जोरदार दस्तक दे दी है। जून महीने में सूखे जैसे हालात झेल रहे मध्य प्रदेश के लिए यह राहत और उम्मीद दोनों की खबर है। राजधानी भोपाल में भी अगले दो दिनों के भीतर मानसून पूरी रफ्तार पकड़ सकता है। आइएमडी की आधिकारिक जानकारी के अनुसार मंगलवार को मानसून की उत्तरी सीमा सूरत, इंदौर, सागर, सीधी, आज़मगढ़, अयोध्या, बरेली, देहरादून और मंडी से होकर गुजर रही है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मानसूनी बादल पहुंच चुके हैं और केवल उत्तरी मध्य प्रदेश का कुछ भाग ही मानसून के इंतजार में है।

### मप्र में मानसून ने पकड़ी रफ्तार, कई जगहों पर भारी बारिश

### पूर्वोत्तर में बाढ़ से 22 हजार लोग बेघर

गुवाहाटी। अरुणाचल प्रदेश और असम में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से हालात बेहद गंभीर हैं। अरुणाचल के 12 जिलों में बाढ़ और लैंडस्लाइड के कारण बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। वहीं, लेकू नदी के उफान पर होने से असम के जोनाई इलाके में नेशनल हाईवे-515 पानी में डूब गया है। असम के 6 जिलों के 96 गांव बाढ़ की चपेट में हैं, जिससे 22 हजार से अधिक लोग बेघर हो गए हैं।

### मप्र में वज्रपात और नदी के उफान में पांच की मौत

प्रदेश में मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। हरदा में किसान प्रदीप राठौर और खरगोन में राधेश्याम व केनू की वज्रपात की चपेट में आने से जान चली गई। बैतूल जिले में भी बिजली गिरने से एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। इसके अलावा, बैतूल में उफनती पुलिया पार करते समय मोटरसाइकिल सवार राजेश बिहारे और दद्दू धुर्वे पानी के तेज बहाव में बह गए। इनके शव बुधवार को मिले।

### वर्षा की स्थिति

(मिलीमीटर में) सर्वाधिक

| जगह | बारिश की मात्रा |
|---|---|
| गढ़ाकोटा | 166.5 |
| मुंगावली | 129.0 |
| पीथमपुर | 120.0 |
| भैंसदेही | 116.0 |
| चिचोली | 102.0 |
| दमोह | 96.0 |
| पथरिया | 89.0 |
| पटेरा | 88.0 |
| रहली | 88.0 |
| मकसूदनगढ | 75.0 |
| केवलारी | 74.2 |
| सोनकच्छ | 74.0 |
| ओरछा | 68.0 |
| घोड़ाडोंगरी | 67.0 |
| गोगावां | 66.0 |

मौसम विभाग के अनुसार विभिन्न स्थानों पर दर्ज वर्षा

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इन क्षेत्रों में दर्ज बारिश से न केवल तापमान में गिरावट आई है, बल्कि खेतों में नमी बढ़ने से खरीफ फसलों की बुआई के लिए भी अनुकूल स्थिति बन रही है। आने वाले दिनों में मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में और बारिश की संभावना जताई गई है।

# पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू करें पर महाधिवक्ता की राय का रखें ध्यान

## जीएडी ने भारसाधक सचिवों, विभागाध्यक्षों और कलेक्टरों को जारी किया पत्र, शुरू होंगे प्रमोशन

भोपाल (नगर संवाददाता)

मप्र सरकार पिछले दस साल से से रुकी पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर रही है। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने सोमवार को सभी विभागों के भारसाधक सचिव, विभागाध्यक्षों और कलेक्टरों को पत्र जारी कर पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने के संबंध में महाधिवक्ता की कानूनी राय के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

सरकार ने यह कदम मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 को लेकर हाईकोर्ट में लंबित याचिकाओं के बीच उठाया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने अपने पत्र में स्पष्ट किया है कि महाधिवक्ता ने वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन की कानूनी राय भेजी है। इसी के आधार पर विभागों को आगे की कार्रवाई करने को कहा गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन ने अपनी राय में कहा है कि हाईकोर्ट ने प्रमोशन नियम-2025 पर कोई अंतरिम रोक (स्टे) नहीं लगाई है। पहले राज्य सरकार ने सुनवाई के दौरान अनौपचारिक रूप से प्रमोशन नहीं करने का आश्वासन दिया था, लेकिन वह न तो कोर्ट के आदेश का हिस्सा था और न ही किसी न्यायिक रिकॉर्ड में दर्ज है। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं, क्योंकि मामला नए सिरे से सुनवाई के लिए जाएगा। इसलिए सरकार अपने वैधानिक अधिकारों का उपयोग कर सकती है। कानूनी राय में कहा गया है कि राज्य सरकार 'मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025' के तहत डीपीसी बुलाने के बारे में उचित निर्णय ले सकती है। अगर ऐसी पदोन्नति की जाती है, तो वे 'विनय कुमार बबेले' मामले में दिए गए निर्देशों और हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट द्वारा भविष्य में दिए जाने वाले किसी भी आदेश के अनुसार, लंबित रिट याचिकाओं के अंतिम परिणाम के अधीन होनी चाहिए। यह भी ध्यान में रखना ज़रूरी है कि अभी की गई पदोन्नति अगर अंतिम फैसले के बाद रद्द होती है, तो इससे काफी प्रशासनिक अव्यवस्था हो सकती है, इसलिए आगे बढ़ने का निर्णय अंततः इस जोखिम और ऊपर बताई गई प्रशासनिक ज़रूरतों के बीच संतुलन बनाने का मामला है।

**महाधिवक्ता की राय- अभी की गई पदोन्नति अगर अंतिम फैसले के बाद रद्द होती है, तो इससे काफी प्रशासनिक अव्यवस्था हो सकती है, इसलिए इस जोखिम के साथ आगे बढ़ें**

**लगभग एक दशक से रुके हैं प्रमोशन:** कानूनी राय में सरकार का पक्ष भी दर्ज है कि वह अभी अपनी मंज़ूरशुदा क्षमता के केवल 40 प्रतिशत पर काम कर रहा है। प्रमोशन लगभग एक दशक से रुके हुए हैं। नतीजतन, बड़ी संख्या में ऊंचे पद खाली पड़े हैं। इससे कई विभागों के कामकाज पर बुरा असर पड़ा है और गंभीर प्रशासनिक मुश्किलें पैदा हुई हैं। प्रमोशन न होने से निचले पदों पर भर्ती में भी देरी हुई है क्योंकि प्रमोशन के क्रम में खाली पद भरे नहीं गए हैं। ऐसे हालात में, नई सुनवाई पूरी होने तक प्रमोशन रोके रखना न तो मुमकिन है और न ही व्यापक जनहित में है। यह भी अहम है कि प्रस्तावित कदम को बाध्यकारी मिसाल का सीधा समर्थन मिलता है।

खदानों में हो रहे विस्फोटों से जान-माल को खतरा, प्रशासन से लगाई गुहार

# हर दिन हो रहे बारूद के धमाकों ने शाहपुर की उड़ाई नींद

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल के ग्राम शाहपुर में आबादी क्षेत्र के समीप संचालित खदान में हो रहे विस्फोटों को लेकर ग्रामीणों ने मंगलवार को आयोजित कलेक्टर जनसुनवाई में ज्ञापन सौंपकर शिकायत की। ग्रामीणों ने कहा कि लगातार किए जा रहे विस्फोटों से सरकारी प्राथमिक विद्यालय, सामुदायिक भवन, मंदिर, गौशाला, रेलवे लाइन, खेल मैदान और आसपास के मकानों को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ गया है। उनका कहना है कि कई मकानों में पहले ही दरारें आ चुकी हैं और खदान अब स्कूल व रिहायशी क्षेत्र से महज 100 से 200 फीट की दूरी पर संचालित हो रही है।

**दो साल से आवास और राशन कार्ड का इंतजार...** जनसुनवाई में हुजूर तहसील की ग्राम पंचायत पिपलियाबाजखां के दर्जनों ग्रामीण भी पहुंचे। उन्होंने वर्षों से लंबित राशन कार्ड और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग करते हुए बताया कि आवेदन करने के बावजूद पात्र परिवारों को अब तक योजनाओं का लाभ नहीं मिला है। इसके चलते वे कई शासकीय योजनाओं से वंचित हैं और अनेक परिवार आज भी कच्चे मकानों में रहने को मजबूर हैं।

### भू-माफिया ने कब्जाई शासकीय जमीन

बाग उमराव दुल्हा क्षेत्र निवासी हाजी मोहम्मद इकबाल ने कलेक्टर को शिकायत सौंपकर नगर निगम और पुलिस प्रशासन पर भू-माफियाओं के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। शिकायत में कहा गया कि सी-सेक्टर गली नंबर-4 में कुछ लोगों द्वारा आम रास्ते और शासकीय भूमि पर अवैध रूप से टीन शेड डालकर कब्जा कर लिया गया है, जिससे स्थानीय नागरिकों को आवागमन में परेशानी हो रही है और विवाद की स्थिति बनी हुई है।

### बेटी और दामाद पर धोखाधड़ी और मारपीट का आरोप

एक बुजुर्ग दंपत्ति ने जनसुनवाई में अपनी बेटी और दामाद पर धोखाधड़ी, पैसे की मांग और मारपीट के गंभीर आरोप लगाते हुए कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई। दंपती ने मामले की निष्पक्ष जांच कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्रोतों के संरक्षण में नगर निगम का दावा

# निगम के सहयोग से राजधानी की 21 बावड़ियों और 53 कुओं का जीर्णोद्धार

भोपाल (नगर संवाददाता)

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत भोपाल नगर निगम ने शहर की 21 प्राचीन बावड़ियों और 53 कुओं की सफाई, जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कराया। अभियान के दौरान जल संरचनाओं से करीब 200 डंपर गाद-मिट्टी और 300 डंपर कचरा हटाया गया। अभियान का जिला स्तरीय समापन समारोह कलियासोत बांध क्षेत्र में आयोजित हुआ, जहां पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय और निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया।

समारोह में श्रीमती गौर ने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि जनभागीदारी का विषय है, इसे सामाजिक संस्कार के रूप में अपनाने की जरूरत है। महापौर ने कहा कि निगम शहरवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल गुणवत्ता की नियमित जांच करा रहा है,बड़े स्तर पर पौधरोपण अभियान भी चलाया जा रहा है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
मुख्य कार्यकारी संपादक : **श्रीमती रश्मि अग्रवाल**, सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)